ॐ गं गणपतये नमः

शुभ 卐 लाभ

जन्मपत्रिका

Kundli Darpan

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Kundli Darpan

Future Point Future Point Future Point

Model: Kundlidarpan

Order No: 119664 Date: 07/09/2013

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/08/1990**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:18:17 घंटे**
इष्ट	23:26:44 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India
अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:57:09 घंटे
वेलान्तर	-00:02:43 घंटे
साम्पातिक काल	13:02:52 घंटे
सूर्योदय	05:55:35 घंटे
सूर्यास्त	18:51:34 घंटे
दिनमान	12:55:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:17:17 सिंह
लग्न के अंश	08:07:36 धनु

दादा का नाम	
पिता का नाम	
माता का नाम	
जाति	
गोत्र	
राष्ट्रीय संवत शक	2047 / 1912
माह	भाद्रपद
प्रविष्टे	1
सूर्योदय कालीन तिथि	3
तिथि समाप्ति काल	17:15:09
जन्म तिथि	3
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	उत्तराफाल्गुनी
नक्षत्र समाप्ति काल	12:46:58 घंटे
जन्म नक्षत्र	हस्त
सूर्योदय कालीन योग	साध्य
योग समाप्ति काल	25:22:29 घंटे
जन्म योग	साध्य
सूर्योदय कालीन करण	गर
करण समाप्ति काल	17:15:09 घंटे
जन्म करण	गर
भयात	06:18:14
भभोग	63:34:33
भोग्य दशा काल	चंद्र 8 वर्ष 11 मा 29

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कंया

घात चक्र

मास	भाद्रपद
तिथि	5-10-15
दिन	शनिवार
नक्षत्र	श्रवण
योग	शुक्ल
करण	कौलव
प्रहर	1
वर्ग	मार्जार
लग्न	मीन
सूर्य	मेष
चन्द्र	मिथुन
मंगल	वृष
बुध	मीन
गुरु	मिथुन
शुक्र	कर्क
शनि	मीन
राहु	सिंह

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	स्वामी	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	08:07:36	000:00:00	मूल	3	19	केतु	गुरु	---
सूर्य			सिंह	06:17:17	00:57:51	मघा	2	10	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कंया	11:20:10	12:42:09	हस्त	1	13	चंद्र	मंग	मित्र राशि
मंग			वृष	02:04:18	00:32:25	कृतिका	2	3	सूर्य	गुरु	सम राशि
बुध			सिंह	29:37:05	00:11:54	उत्तराफाल्गुनी	1	12	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	07:20:36	00:12:32	पुष्य	2	8	शनि	केतु	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	17:52:44	01:13:36	आश्लेषा	1	9	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	25:43:25	-00:02:48	पूर्वाषाढ़ा	4	20	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु			मक	13:24:29	-00:03:21	श्रवण	2	22	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु			कर्क	13:24:29	-00:03:21	पुष्य	4	8	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	12:04:33	-00:01:05	मूल	4	19	केतु	बुध	---
नेप	व		धनु	18:19:30	-00:00:57	पूर्वाषाढ़ा	2	20	शुक्र	राहु	---
प्लू			तुला	21:27:59	00:00:57	विशाखा	1	16	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			कंया	23:19:29	--	हस्त	--	13	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:49

लग्न-चलित

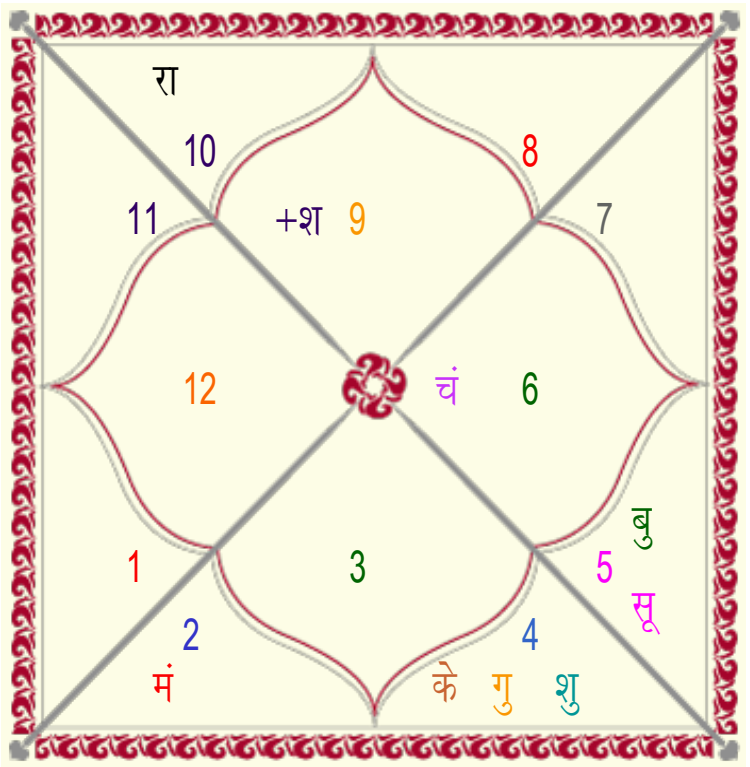

चन्द्र कुंडली

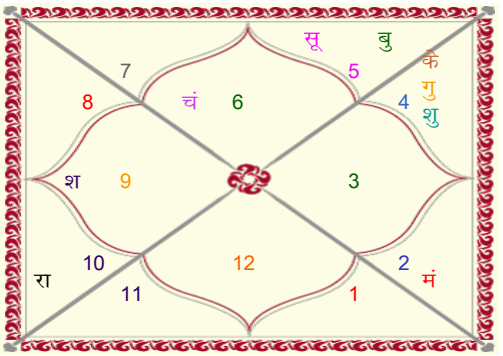

नवमांश कुंडली

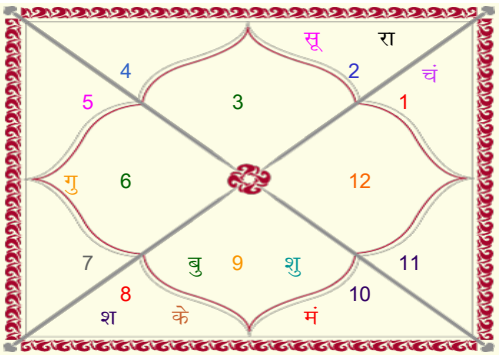

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	वृश्चिक	25:39:34	धनु	08:07:36
2	धनु	25:39:34	मकर	13:11:33
3	कुम्भ	00:43:32	कुम्भ	18:15:31
4	मीन	05:47:30	मीन	23:19:29
5	मेष	05:47:30	मेष	18:15:31
6	वृष	00:43:32	वृष	13:11:33
7	वृष	25:39:34	मिथुन	08:07:36
8	मिथुन	25:39:34	कर्क	13:11:33
9	सिंह	00:43:32	सिंह	18:15:31
10	कन्या	05:47:30	कन्या	23:19:29
11	तुला	05:47:30	तुला	18:15:31
12	वृश्चिक	00:43:32	वृश्चिक	13:11:33

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	धनु	08:07:36
2	मकर	12:29:42
3	कुम्भ	19:27:40
4	मीन	23:19:29
5	मेष	21:22:34
6	वृष	15:16:35
7	मिथुन	08:07:36
8	कर्क	12:29:42
9	सिंह	19:27:40
10	कन्या	23:19:29
11	तुला	21:22:34
12	वृश्चिक	15:16:35

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपद	उत्तराभाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका
रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वाफाल्गुर्न	उत्तराफाल्गु

चलित कुंडली

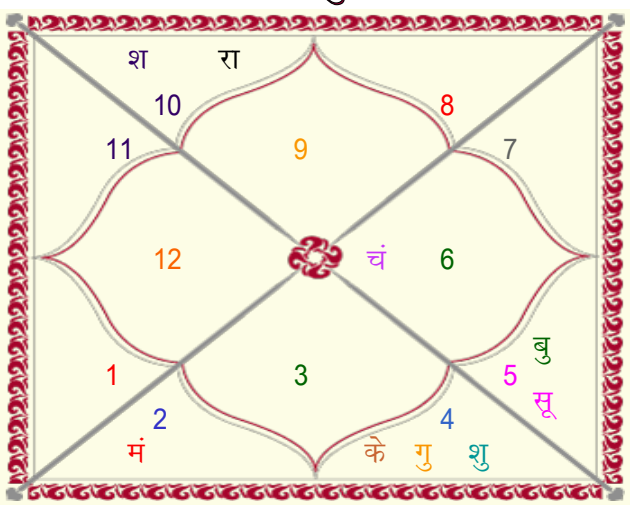

भाव कुंडली

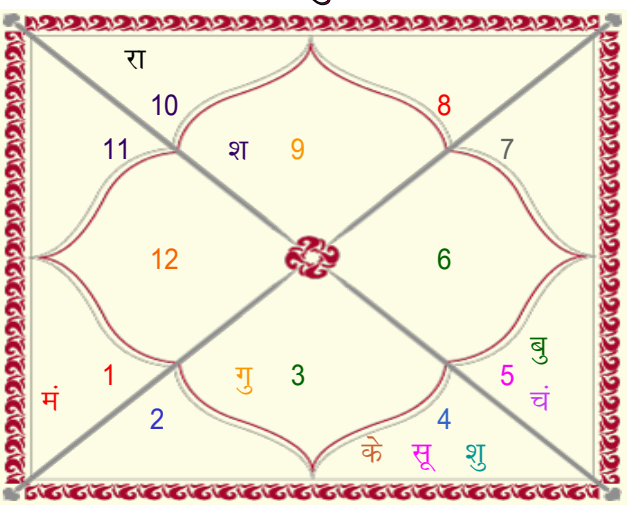

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	------ कारक ------		------- अवस्था -------			रश्मि	ग्रह
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	
सूर्य	ज्ञाति	पितृ	कुमार	स्वस्थ	गमन	7.08	72 %
चंद्र	मातृ	मातृ	वृद्ध	मुदित	गमन	3.44	59 %
मंग	कलत्र	भ्रातृ	मृत	शक्त	आगमन	2.86	53 %
बुध	आत्मा	ज्ञाति	मृत	मुदित	भोजन	4.57	45 %
गुरु	पुत्र	धन	वृद्ध	दीप्त	भोजन	20.73	46 %
शुक्र	भ्रातृ	कलत्र	युवा	खल	भोजन	3.07	46 %
शनि	अमात्य	आयु	मृत	निपीदित	शयन	1.59	68 %
राहु	---	ज्ञान	युवा	मुदित	शयन	0.00	98 %
केतु	---	मोक्ष	युवा	मुदित	भोजन	0.00	98 %
कुल						**43.35**	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपद	उत्तराभाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका
रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वाफाल्गुर्न	उत्तराफाल्गु

चलित कुंडली

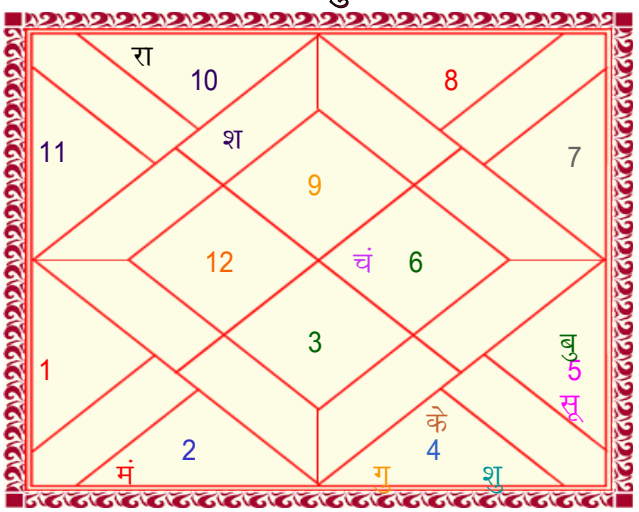

लग्न-चलित

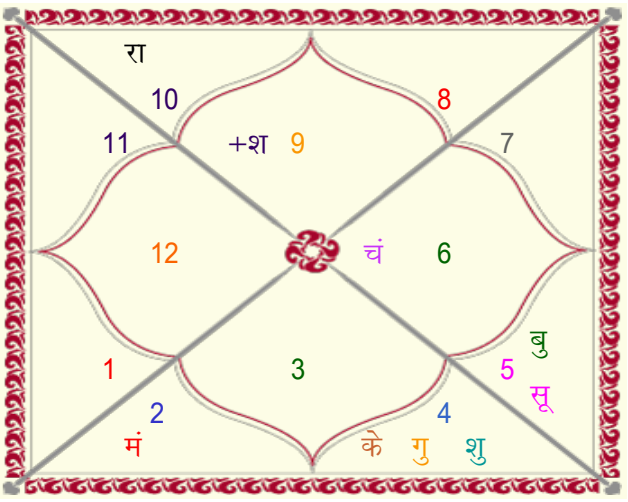

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

।। सुदर्शन चक्र ।।

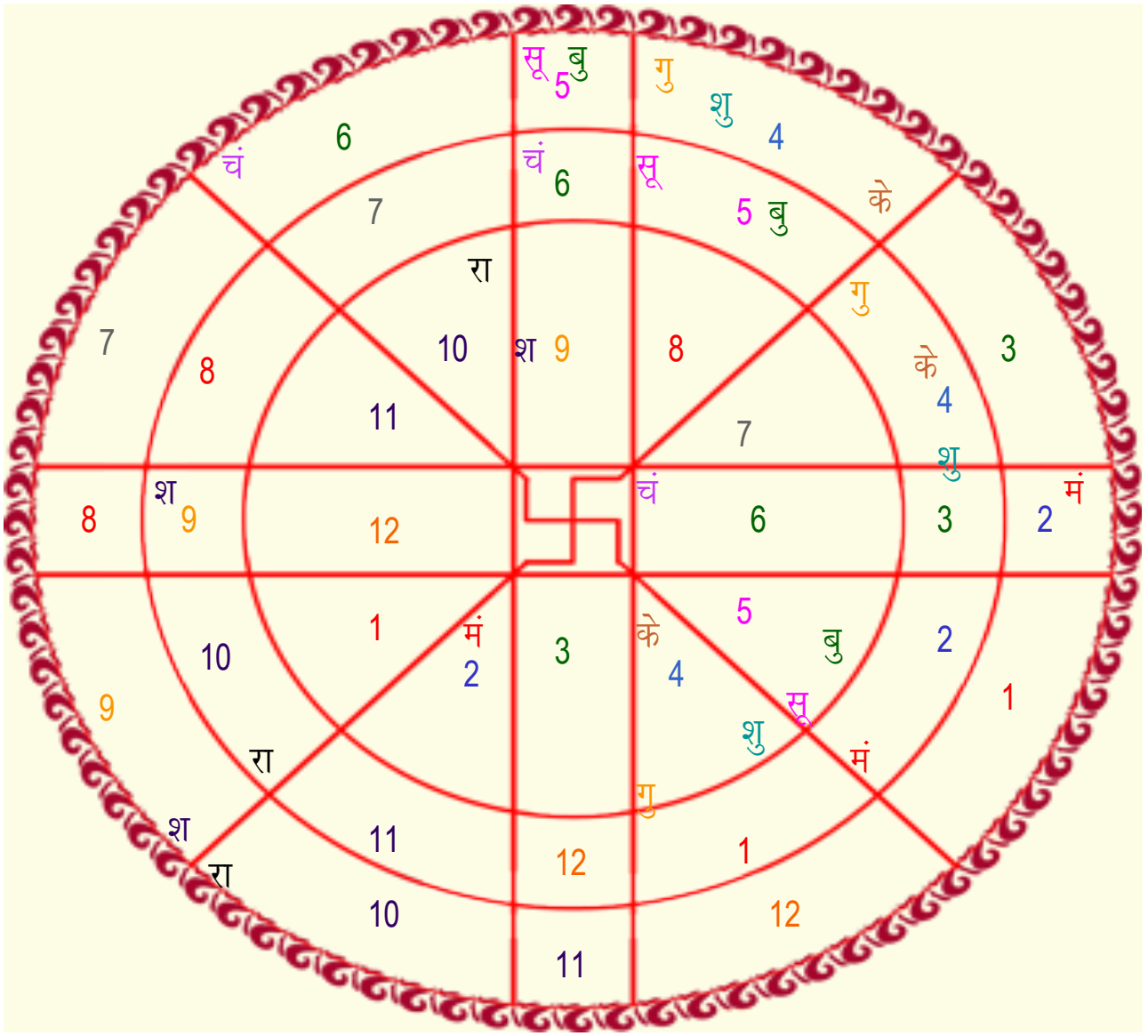

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : चंद्र 8 वर्ष 11 मास 29 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		सिंह	06:17:17	सू	के	रा	श
चंद्र		कंया	11:20:10	बु	चं	मं	गु
मंग		वृष	02:04:18	शु	सू	गु	के
बुध		सिंह	29:37:05	सू	सू	रा	गु
गुरु		कर्क	07:20:36	चं	श	के	के
शुक्र		कर्क	17:52:44	चं	बु	बु	रा
शनि	व	धनु	25:43:25	गु	शु	बु	श
राहु		मक	13:24:29	श	चं	रा	शु
केतु		कर्क	13:24:29	चं	श	रा	गु
हर्ष	व	धनु	12:04:33	गु	के	बु	शु
नेप	व	धनु	18:19:30	गु	शु	रा	रा
प्लू		तुला	21:27:59	शु	गु	गु	मं

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	धनु	08:07:36	गु	के	गु	बु
2	मक	12:29:42	श	चं	रा	श
3	कुंभ	19:27:40	श	रा	मं	गु
4	मीन	23:19:29	गु	बु	चं	सू
5	मेष	21:22:34	मं	शु	गु	चं
6	वृष	15:16:35	शु	चं	गु	चं
7	मिथु	08:07:36	बु	रा	रा	शु
8	कर्क	12:29:42	चं	श	मं	श
9	सिंह	19:27:40	सू	शु	रा	शु
10	कंया	23:19:29	बु	चं	सू	शु
11	तुला	21:22:34	शु	गु	गु	चं
12	वृश्चि	15:16:35	मं	श	गु	श

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:49

लग्न कुंडली

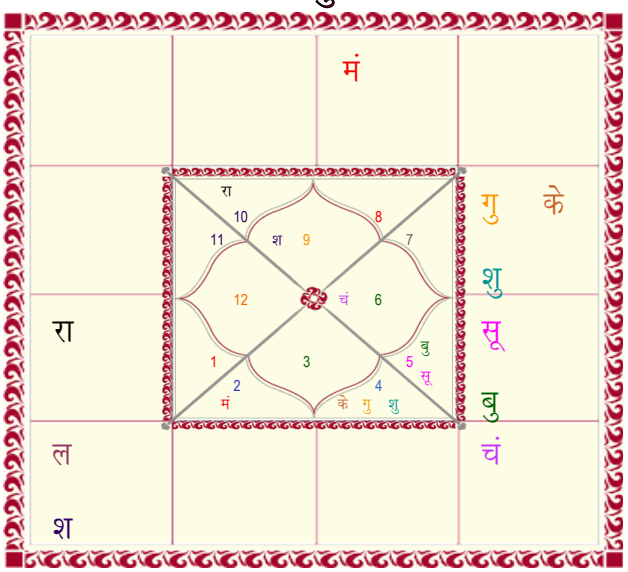

भाव कुंडली

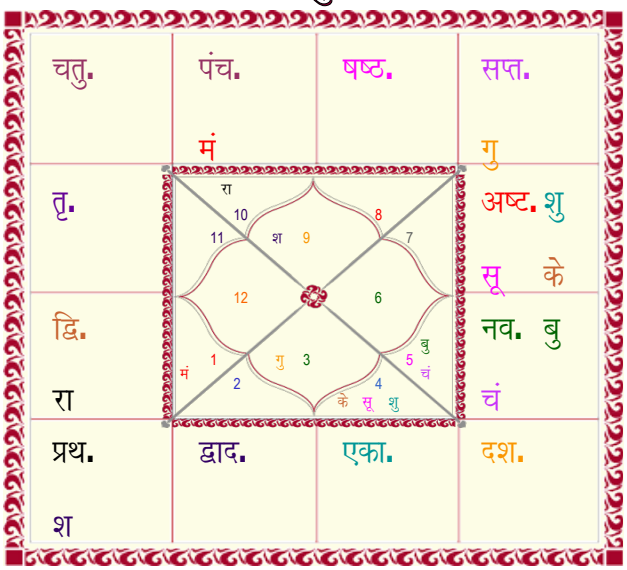

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह							
1	गु+	श	के					
2	गु–	श–	रा	के–				
3	गु–	श–	के–					
4	गु–							
5	मं							
6	शु–	श–						
7	बु–	गु	शु–					
8	सू+	चं	मं	बु	शु	श	रा–	के
9	सू–	चं+	मं–	बु+	शु	रा		
10	बु–	शु–						
11	शु–	श–						
12	मं–							

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव					
सू	8+	9–				
चं	8	9+				
मं	5	8	9–	12–		
बु	7–	8	9+	10–		
गु	1+	2–	3–	4–	7	
शु	6–	7–	8	9	10–	11–
श	1	2–	3–	6–	8	11–
रा	2	8–	9			
के	1	2–	3–	8		

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	केतु
लग्न राशि स्वामी	गुरु
राशि नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
राशि स्वामी	बुध
वार स्वामी	गुरु
लग्न अन्तर स्वामी	गुरु
राशि अन्तर स्वामी	मंगल

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

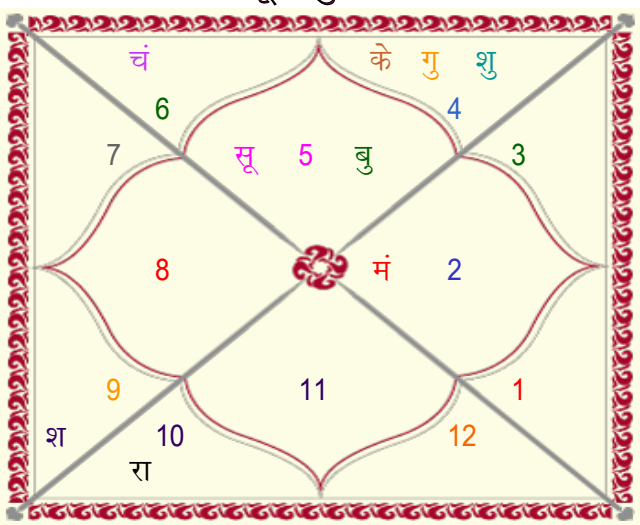

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

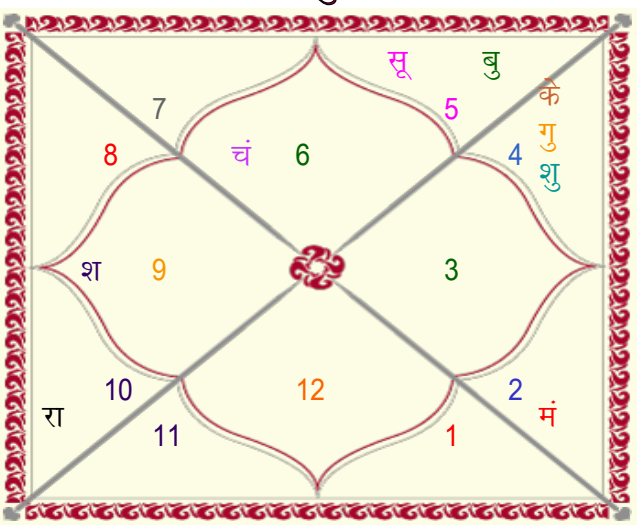

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

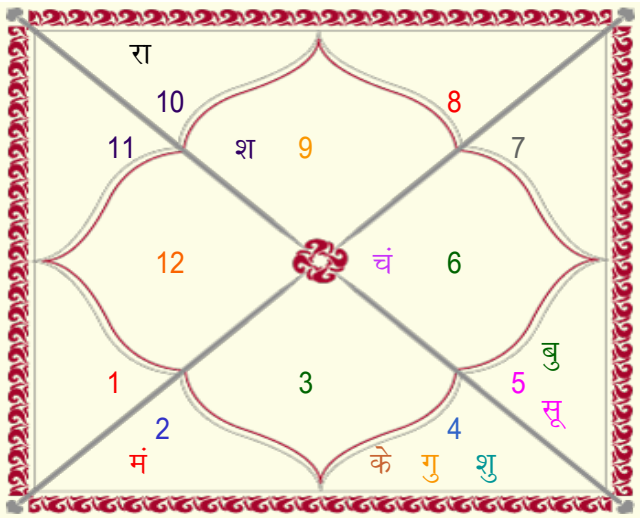

देह विचारः

होरा कुंडली

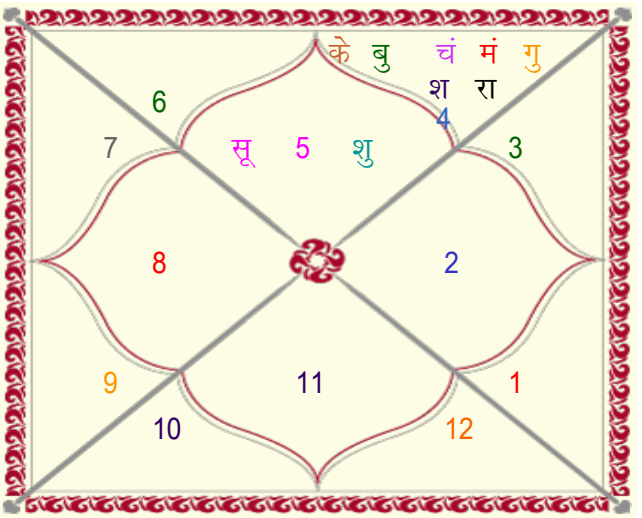

सम्पदाविचारः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

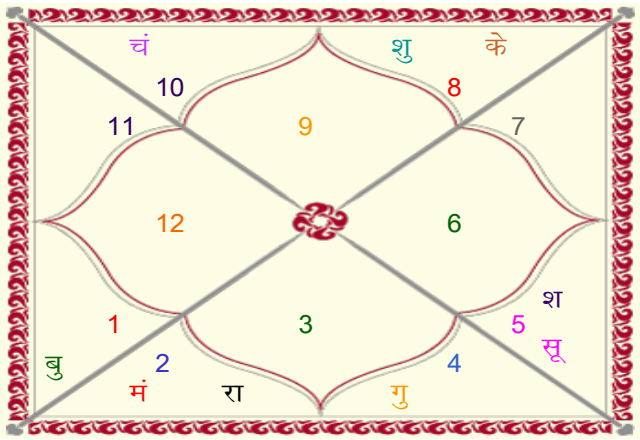

भ्रातृसौख्यम

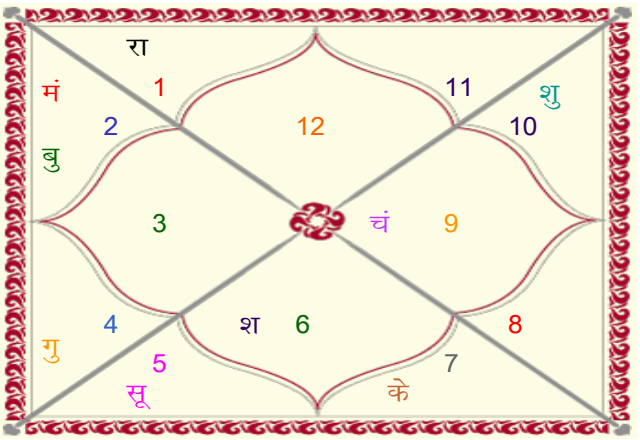

चतुर्थांश कुंडली

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

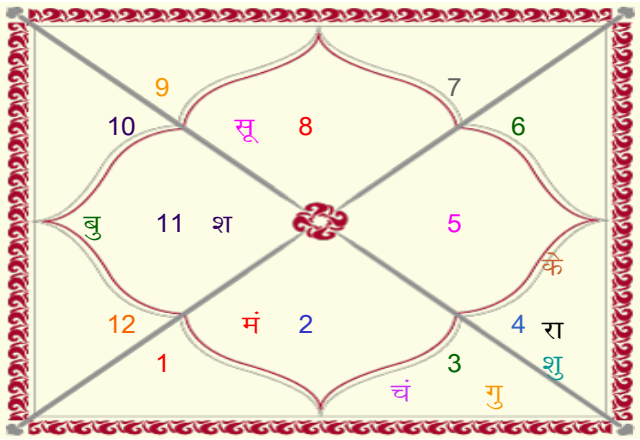

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

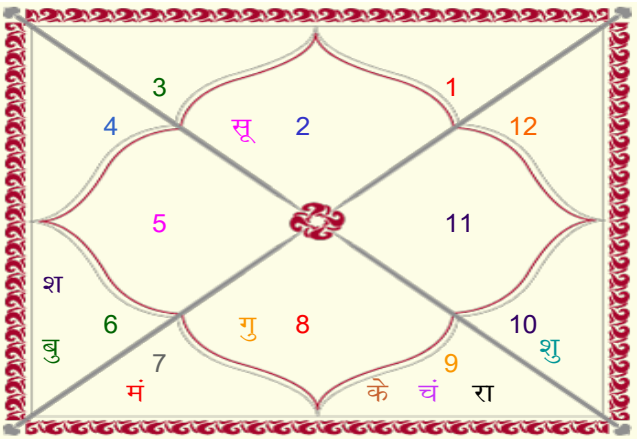

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

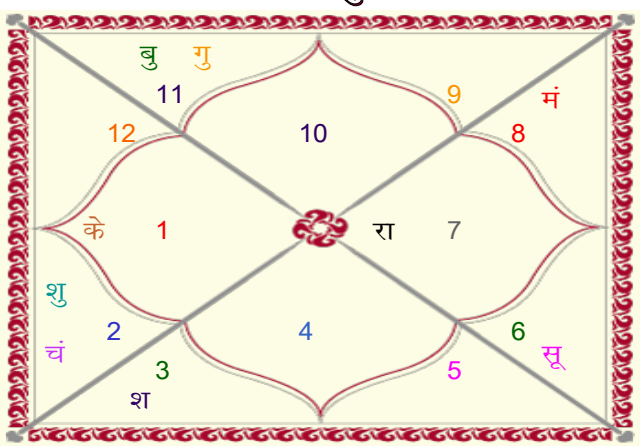

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

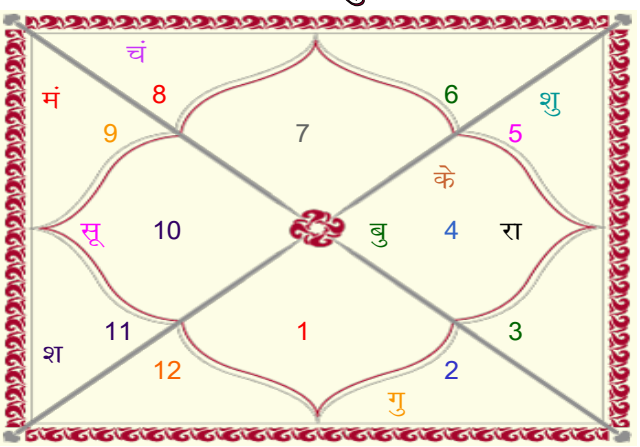

आयुविचारः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

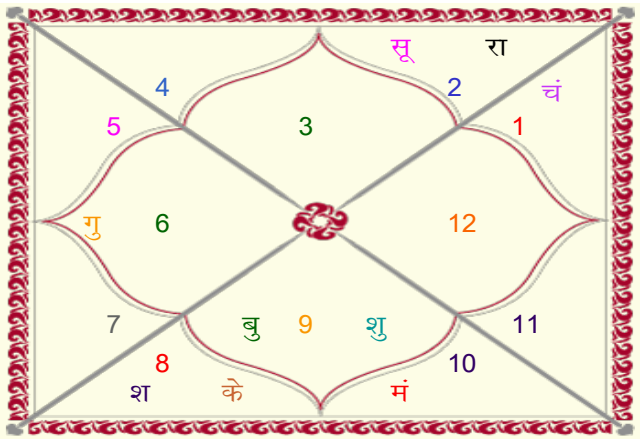

दशमांश कुंडली

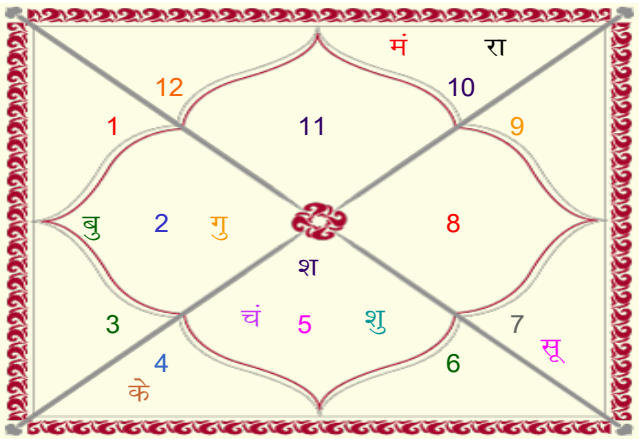

कलत्र सौख्यम
एकादशांश कुंडली

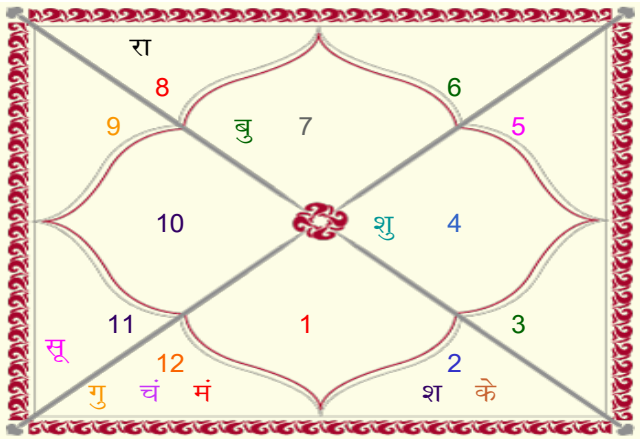

राज्यविचारः
द्वादशांश कुंडली

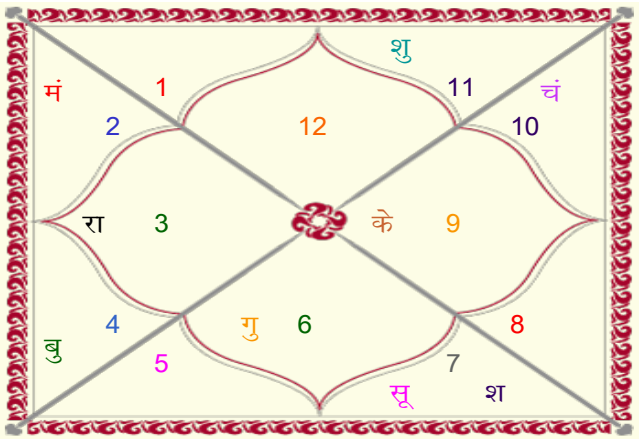

लाभविचारः
षोडशांश कुंडली

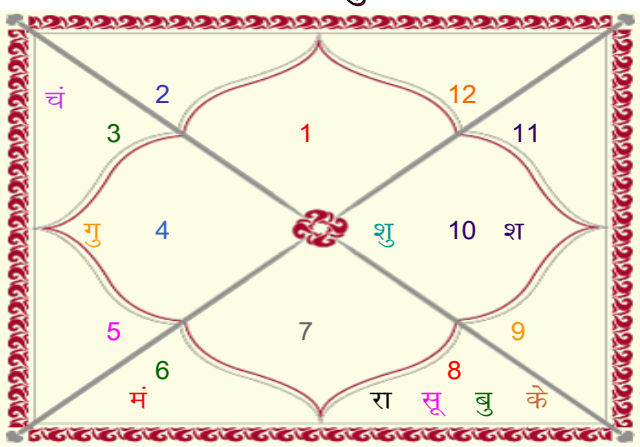

पितृसौख्यम
विंशांश कुंडली

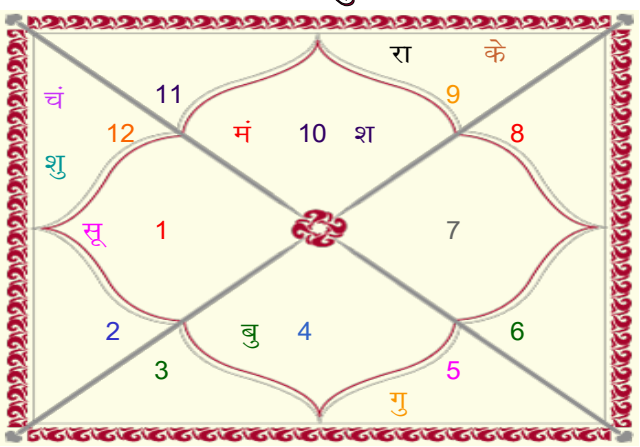

वाहनसुखविचारः

उपासनाज्ञानम्

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

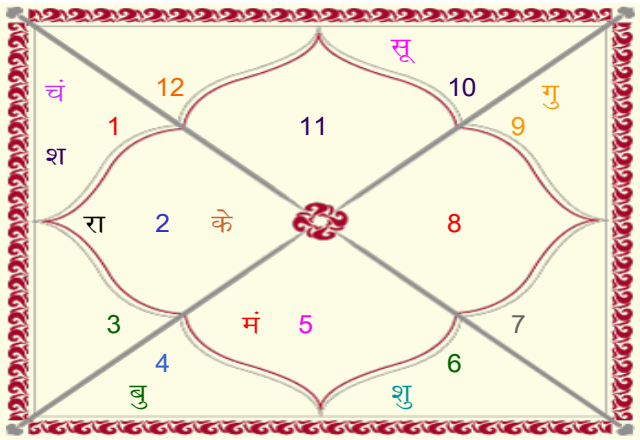

सप्तविंशांश कुंडली

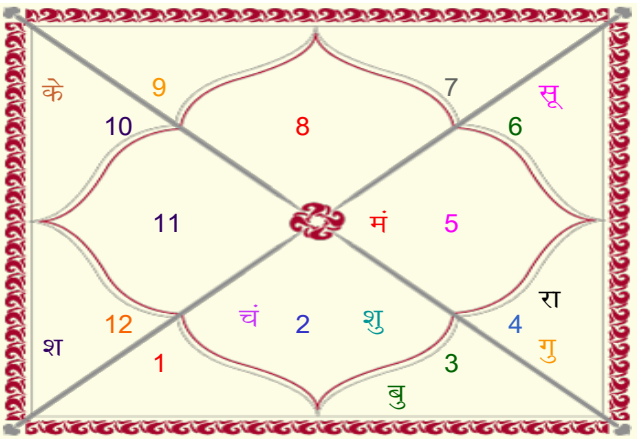

विद्याविचारः
त्रिंशांश कुंडली

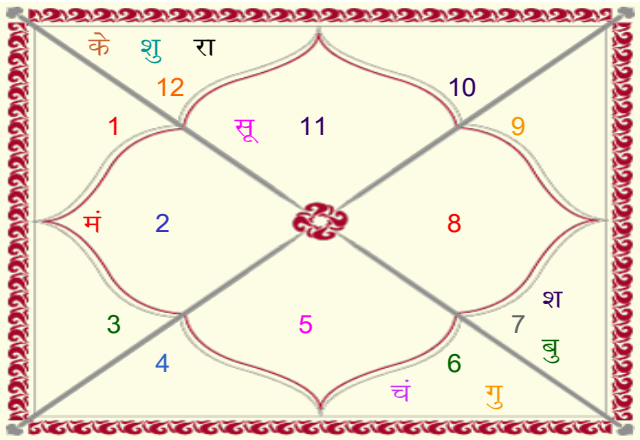

बलाबलज्ञानम्
खवेदांश कुंडली

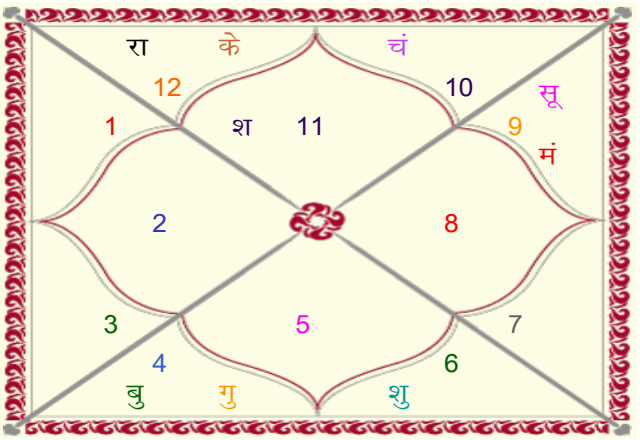

अरिष्टज्ञानम्
अक्षवेदांश कुंडली

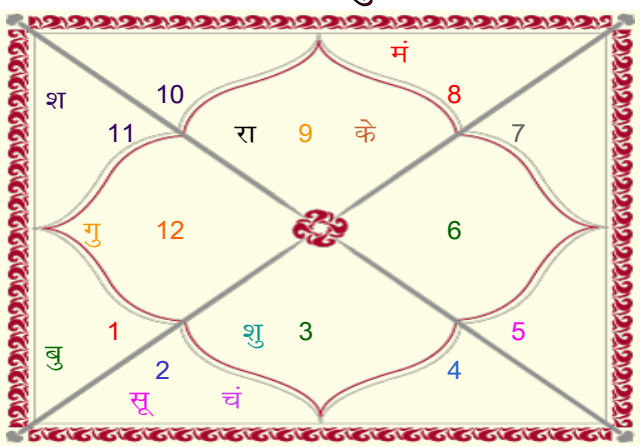

शुभाशुभज्ञानम्
षष्ट्यंश कुंडली

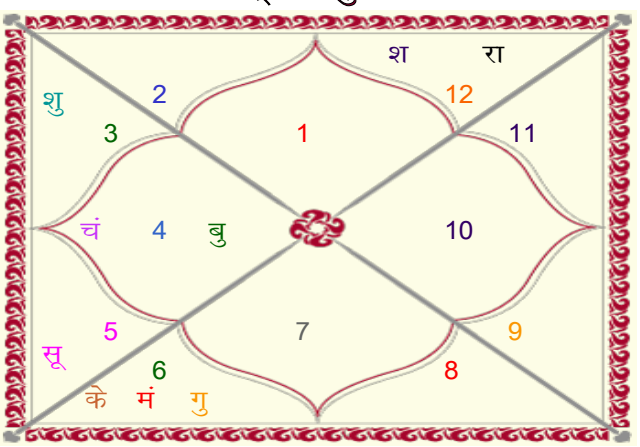

सर्वास्थितिविचारः

सर्वास्थितिविचारः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	धनु	सिंह	कंया	वृष	सिंह	कर्क	कर्क	धनु	मक	कर्क
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	धनु	सिंह	मक	वृष	मेष	कर्क	वृश्चि	सिंह	वृष	वृश्चि
चतुर्थांश	मीन	सिंह	धनु	वृष	वृष	कर्क	मक	कंया	मेष	तुला
सप्तमांश	मक	कंया	वृष	वृश्चि	कुंभ	कुंभ	वृष	मिथु	तुला	मेष
नवमांश	मिथु	वृष	मेष	मक	धनु	कंया	धनु	वृश्चि	वृष	वृश्चि
दशमांश	कुंभ	तुला	सिंह	मक	वृष	वृष	सिंह	सिंह	मक	कर्क
द्वादशांश	मीन	तुला	मक	वृष	कर्क	कंया	कुंभ	तुला	मिथु	धनु
षोडशांश	मेष	वृश्चि	मिथु	कंया	वृश्चि	कर्क	मक	मक	वृश्चि	वृश्चि
विंशांश	मक	मेष	मीन	मक	कर्क	सिंह	मीन	मक	धनु	धनु
चतुर्विंशांश	कुंभ	मक	मेष	सिंह	कर्क	धनु	कंया	मेष	वृष	वृष
सप्तविंशांश	वृश्चि	कंया	वृष	सिंह	मिथु	कर्क	वृष	मीन	कर्क	मक
त्रिंशांश	कुंभ	कुंभ	कंया	वृष	तुला	कंया	मीन	तुला	मीन	मीन
खवेदांश	कुंभ	धनु	मक	धनु	कर्क	कर्क	कंया	कुंभ	मीन	मीन
अक्षवेदांश	धनु	वृष	वृष	वृश्चि	मेष	मीन	मिथु	कुंभ	धनु	धनु
षष्ट्यंश	मेष	सिंह	कर्क	कंया	कर्क	कंया	मिथु	मीन	मीन	कंया

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	व्यंजन	व्यंजन	गोपुर	केरल
चन्द्र	---	किंसुक	उत्तम	कन्दुक
मंगल	---	किंसुक	उत्तम	कन्दुक
बुध	---	---	---	---
गुरु	व्यंजन	व्यंजन	गोपुर	पूर्णचन्द
शुक्र	---	किंसुक	पारिजात	नागपुष्प
शनि	किंसुक	किंसुक	उत्तम	केरल
राहु	---	---	---	---
केतु	किंसुक	किंसुक	पारिजात	कन्दुक

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	15.75	14.55	12.50	12.65	14.80	10.10	6.85	11.45	13.15
सप्तवर्ग	14.38	14.60	13.33	11.90	13.63	11.18	7.38	11.05	13.55
दशवर्ग	15.50	17.15	12.18	12.10	12.40	12.68	8.43	9.85	13.20
षोडशवर्ग	15.68	15.90	12.13	12.60	14.10	12.28	9.30	9.55	13.03

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंग	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
मंग	मित्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
बुध	शत्रु	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शनि	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	---	शत्रु
केतु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम
चंद्र	अतिमित्र	---	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	मित्र	मित्र	अधिशत्रु	सम
मंग	अतिमित्र	सम	---	सम	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	अधिशत्रु	अतिमित्र
बुध	सम	सम	मित्र	---	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	---	सम	सम	सम
शनि	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	सम	शत्रु	सम	---	अतिमित्र	अधिशत्रु
राहु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	सम	सम	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	---

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	21	17	29	55	59	23	38
सप्तवर्गज बल	126	124	101	79	94	75	38
ओजयुग्मक बल	15	15	0	30	0	15	15
केन्द्र बल	15	60	15	15	30	30	60
द्रेष्काण बल	15	0	15	0	15	0	0
कुल स्थान बल	192	216	160	179	198	143	151
कुल दिग्बल	44	4	13	27	10	22	6
नतोन्नत बल	45	15	15	60	45	45	15
पक्ष बल	48	97	48	48	12	12	48
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	0	60
अब्द बल	0	15	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	0	30	0	0	0
वार बल	0	0	0	0	45	0	0
होरा बल	60	0	0	0	0	0	0
अयन बल	90	33	55	33	56	52	58
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	244	159	118	172	218	110	181
कुल चेष्टाबल	0	0	19	52	12	11	46
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-24	-4	-23	-14	-19	-20	-19
कुल षट्बल	516	427	303	441	453	309	374
रूप षट्बल	8.6	7.1	5.1	7.3	7.5	5.1	6.2
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.7	1.2	1.0	1.0	1.2	0.9	1.2
संबंधित पद	1	3	6	5	4	7	2

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	29.14	14.18	23.40	53.40	26.42	16.06	42.08
कष्ट फल	27.85	45.46	35.80	6.42	6.14	42.47	17.21

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	453	374	374	453	303	309	441	427	516	441	309	303
भावदिग्बल	60	20	40	60	10	20	0	20	50	30	40	10
भावदृष्टि बल	13	70	67	62	24	11	0	-19	-16	28	32	63
कुल भाव बल	526	463	480	575	337	339	441	427	550	499	381	376
रूप भाव बल	8.8	7.7	8.0	9.6	5.6	5.7	7.3	7.1	9.2	8.3	6.3	6.3
संबंधित पद	3	6	5	1	12	11	7	8	2	4	9	10

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	धनु	08:07:36	--	--	मूल	3	19
गुलिक	गु	तुला	09:08:45	--	--	स्वाति	1	15
काल	का	तुला	29:55:25	--	--	विशाखा	3	16
मृत्यु	मृ	धनु	12:39:09	--	--	मूल	4	19
यमघंटक	यम	सिंह	26:33:44	--	--	पूर्वाफाल्गुनी	4	11
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	मक	07:30:39	--	--	उत्तराषाढ़ा	4	21
धूम	धू	धनु	19:37:17	--	--	पूर्वाषाढ़ा	2	20
व्यतिपात	व्य	कर्क	10:22:43	--	--	पुष्य	3	8
परिवेश	परि	मक	10:22:43	--	--	श्रवण	1	22
इन्द्रचाप	इ	मिथु	19:37:17	नीच	--	आर्द्रा	4	6
उपकेतु	उप	कर्क	06:17:17	--	मूल	पुष्य	1	8

प्राणपद	:	मक	29:45:29	कारकाँश लग्न	:	धनु	26:33:41
भाव लग्न	:	धनु	26:57:41	होरा लग्न	:	वृष	17:38:06
घटी लग्न	:	कर्क	19:39:20	वर्णद लग्न	:	मिथु	04:14:19

उपग्रह कुंडली

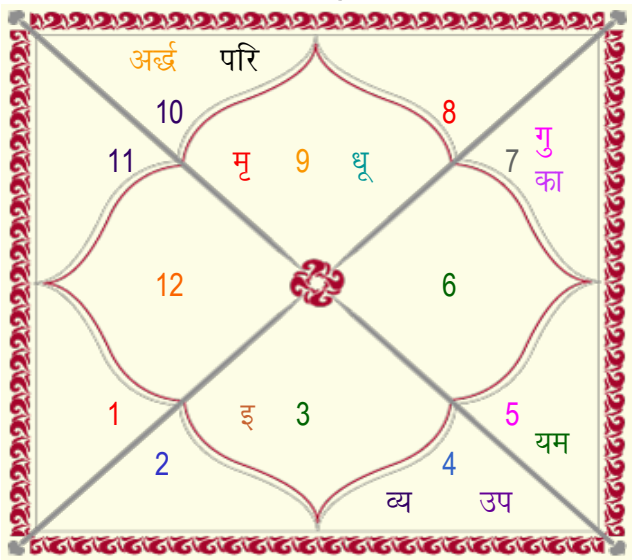

आरूढ़ कुंडली

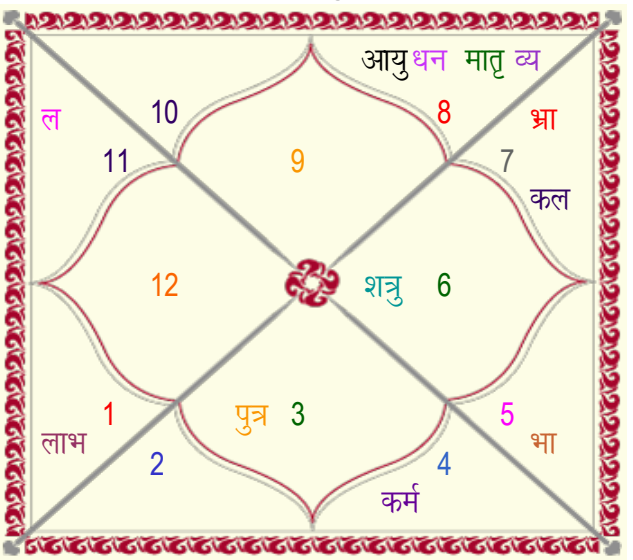

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
सू	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
चं	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
मं	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
बु	1	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	7
गु	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
शु	0	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	3
श	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
कुल	2	5	6	3	3	3	3	5	5	4	4	5	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	4
सू	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	6
चं	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	1	6
मं	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
बु	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	1	8
गु	1	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	7
शु	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	0	1	7
श	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	4
कुल	3	6	5	3	1	4	7	3	1	4	7	5	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	5
सू	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5
चं	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	3
मं	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
बु	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
गु	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	4
शु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
श	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	0	1	7
कुल	1	5	6	2	2	2	4	2	7	2	4	2	39

बुद्ध का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
सू	1	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	5
चं	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	6
मं	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
बु	1	1	1	1	1	0	1	0	1	1	0	0	8
गु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
शु	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	8
श	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
कुल	3	5	6	6	4	3	5	2	7	5	4	4	54

गुरू का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	9
सू	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	9
चं	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	1	5
मं	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
बु	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	8
गु	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
शु	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	6
श	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	4
कुल	6	8	4	2	6	4	4	5	4	4	4	5	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	8
सू	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	3
चं	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	9
मं	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	6
बु	1	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5
गु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
शु	1	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	9
श	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	1	1	7
कुल	7	3	2	6	4	4	6	3	3	4	4	6	52

शनि का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	6
सू	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
चं	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	3
मं	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	6
बु	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	6
गु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
शु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	3
श	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	4
कुल	3	6	4	3	1	3	3	3	3	1	5	4	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	4
सू	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	6
चं	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
मं	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
बु	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	7
गु	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	9
शु	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	8
श	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	6
कुल	1	7	3	5	3	4	6	5	2	3	5	5	49

Future Point Future Point Future Point

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	7	3	5	3	4	6	5	2	3	5	5	49
सूर्य	2	5	6	3	3	3	3	5	5	4	4	5	48
चंद्र	3	6	5	3	1	4	7	3	1	4	7	5	49
मंग	1	5	6	2	2	2	4	2	7	2	4	2	39
बुध	3	5	6	6	4	3	5	2	7	5	4	4	54
गुरु	6	8	4	2	6	4	4	5	4	4	4	5	56
शुक्र	7	3	2	6	4	4	6	3	3	4	4	6	52
शनि	3	6	4	3	1	3	3	3	3	1	5	4	39
बि	26	45	36	30	24	27	38	28	32	27	37	36	386
रे	38	19	28	34	40	37	26	36	32	37	27	28	382

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	4	0	0	2	1	3	0	1	0	2	0	13
सूर्य	0	2	3	0	1	0	0	2	3	1	1	2	15
चंद्र	2	2	0	0	0	0	2	0	0	0	2	2	10
मंग	0	3	2	0	1	0	0	0	6	0	0	0	12
बुध	0	2	2	4	1	0	1	0	4	2	0	2	18
गुरु	2	4	0	0	2	0	0	3	0	0	0	3	14
शुक्र	4	0	0	3	1	1	4	0	0	1	2	3	19
शनि	2	5	1	0	0	2	0	0	2	0	2	1	15
रे	10	22	8	7	8	4	10	5	16	4	9	13	116

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	4	0	0	2	1	0	0	1	0	2	0	10
सूर्य	0	2	3	0	1	0	0	2	3	0	0	0	11
चंद्र	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2	8
मंग	0	3	2	0	1	0	0	0	6	0	0	0	12
बुध	0	2	2	4	1	0	0	0	4	2	0	0	15
गुरु	2	4	0	0	2	0	0	2	0	0	0	3	13
शुक्र	4	0	0	3	1	1	4	0	0	1	1	3	18
शनि	2	5	0	0	0	2	0	0	2	0	2	0	13
रे	10	22	7	7	8	4	4	4	16	3	7	8	100

शोध्य पिंड

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	96	97	80	110	108	126	135	114
ग्रह पिंड	62	41	16	64	114	52	66	60
शोध्य पिंड	158	138	96	174	222	178	201	174

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

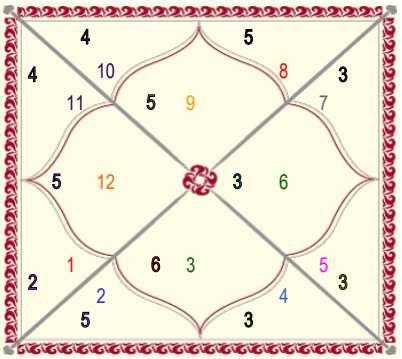

अष्टकवर्ग

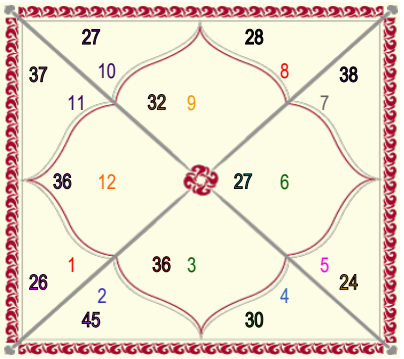

चंद्र का अष्टकवर्ग

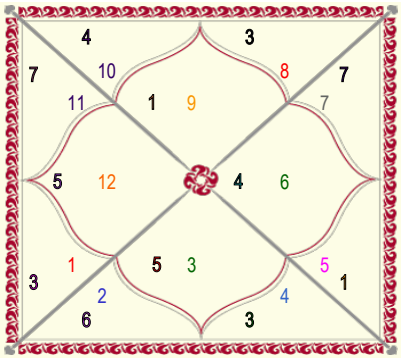

मंगल का अष्टकवर्ग

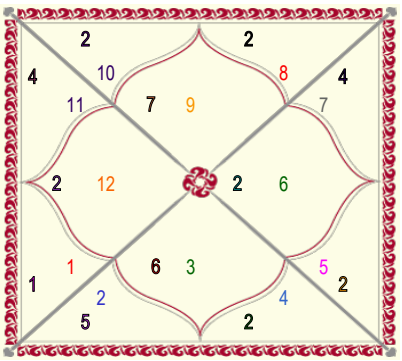

बुद्ध का अष्टकवर्ग

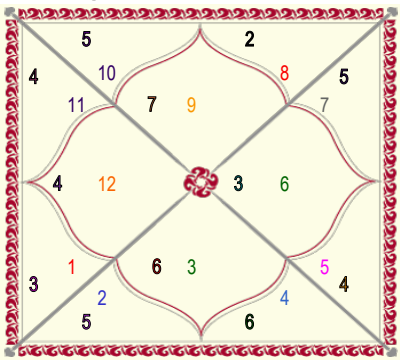

गुरू का अष्टकवर्ग

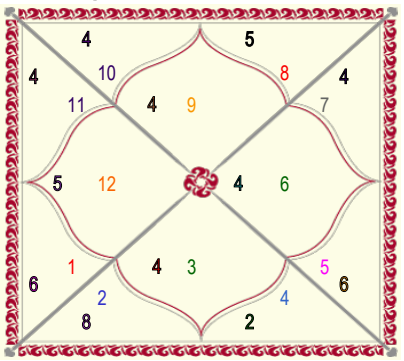

शुक्र का अष्टकवर्ग

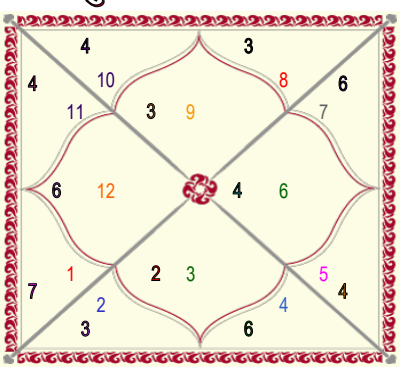

शनि का अष्टकवर्ग

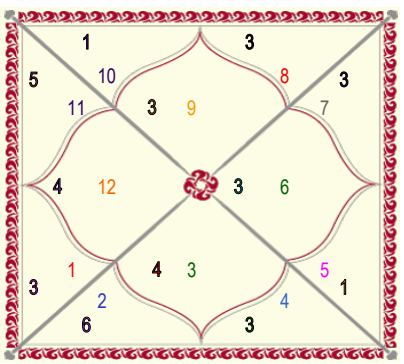

लग्न का अष्टकवर्ग

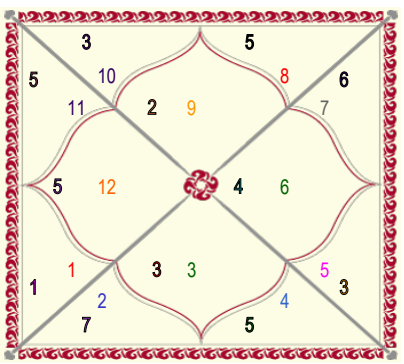

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चंद्र 8 वर्ष 11 मास 29 दिन

चन्द्र
23/08/1990
23/08/1999

चंद्र	23/08/1990
मंग	22/01/1991
राहु	22/07/1992
गुरु	21/11/1993
शनि	23/06/1995
बुध	21/11/1996
केतु	22/06/1997
शुक्र	21/02/1999
सूर्य	23/08/1999

मंगल
23/08/1999
22/08/2006

मंग	19/01/2000
राहु	05/02/2001
गुरु	12/01/2002
शनि	21/02/2003
बुध	18/02/2004
केतु	16/07/2004
शुक्र	15/09/2005
सूर्य	21/01/2006
चंद्र	22/08/2006

राहु
22/08/2006
22/08/2024

राहु	05/05/2009
गुरु	28/09/2011
शनि	04/08/2014
बुध	20/02/2017
केतु	11/03/2018
शुक्र	11/03/2021
सूर्य	02/02/2022
चंद्र	04/08/2023
मंग	22/08/2024

गुरु
22/08/2024
22/08/2040

गुरु	10/10/2026
शनि	22/04/2029
बुध	29/07/2031
केतु	04/07/2032
शुक्र	05/03/2035
सूर्य	22/12/2035
चंद्र	22/04/2037
मंग	29/03/2038
राहु	22/08/2040

शनि
22/08/2040
23/08/2059

शनि	26/08/2043
बुध	05/05/2046
केतु	14/06/2047
शुक्र	13/08/2050
सूर्य	26/07/2051
चंद्र	24/02/2053
मंग	04/04/2054
राहु	08/02/2057
गुरु	23/08/2059

बुध
23/08/2059
22/08/2076

बुध	18/01/2062
केतु	15/01/2063
शुक्र	15/11/2065
सूर्य	22/09/2066
चंद्र	21/02/2068
मंग	17/02/2069
राहु	07/09/2071
गुरु	13/12/2073
शनि	22/08/2076

केतु
22/08/2076
23/08/2083

केतु	18/01/2077
शुक्र	20/03/2078
सूर्य	26/07/2078
चंद्र	24/02/2079
मंग	23/07/2079
राहु	10/08/2080
गुरु	17/07/2081
शनि	25/08/2082
बुध	23/08/2083

शुक्र
23/08/2083
24/08/2103

शुक्र	22/12/2086
सूर्य	22/12/2087
चंद्र	22/08/2089
मंग	22/10/2090
राहु	22/10/2093
गुरु	22/06/2096
शनि	23/08/2099
बुध	23/06/2102
केतु	24/08/2103

सूर्य
24/08/2103
23/08/2109

सूर्य	11/12/2103
चंद्र	11/06/2104
मंग	17/10/2104
राहु	10/09/2105
गुरु	30/06/2106
शनि	12/06/2107
बुध	17/04/2108
केतु	23/08/2108
शुक्र	23/08/2109

चन्द्र
23/08/2109
00/00/0000

चंद्र	23/06/2110
मंग	24/08/2110
राहु	00/00/0000
गुरु	00/00/0000
शनि	00/00/0000
बुध	00/00/0000
केतु	00/00/0000
शुक्र	00/00/0000
सूर्य	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

चंद्र-मंग		चंद्र-राहु		चंद्र-गुरु		चंद्र-शनि	
23/08/1990		22/01/1991		22/07/1992		21/11/1993	
22/01/1991		22/07/1992		21/11/1993		23/06/1995	
मंग	00/00/0000	राहु	14/04/1991	गुरु	25/09/1992	शनि	21/02/1994
राहु	23/08/1990	गुरु	26/06/1991	शनि	11/12/1992	बुध	14/05/1994
गुरु	03/09/1990	शनि	21/09/1991	बुध	18/02/1993	केतु	17/06/1994
शनि	07/10/1990	बुध	07/12/1991	केतु	19/03/1993	शुक्र	21/09/1994
बुध	06/11/1990	केतु	08/01/1992	शुक्र	08/06/1993	सूर्य	20/10/1994
केतु	19/11/1990	शुक्र	08/04/1992	सूर्य	02/07/1993	चंद्र	07/12/1994
शुक्र	24/12/1990	सूर्य	06/05/1992	चंद्र	12/08/1993	मंग	10/01/1995
सूर्य	04/01/1991	चंद्र	20/06/1992	मंग	09/09/1993	राहु	07/04/1995
चंद्र	22/01/1991	मंग	22/07/1992	राहु	21/11/1993	गुरु	23/06/1995

चंद्र-बुध		चंद्र-केतु		चंद्र-शुक्र		चंद्र-सूर्य	
23/06/1995		21/11/1996		22/06/1997		21/02/1999	
21/11/1996		22/06/1997		21/02/1999		23/08/1999	
बुध	04/09/1995	केतु	04/12/1996	शुक्र	02/10/1997	सूर्य	02/03/1999
केतु	04/10/1995	शुक्र	08/01/1997	सूर्य	01/11/1997	चंद्र	17/03/1999
शुक्र	29/12/1995	सूर्य	19/01/1997	चंद्र	22/12/1997	मंग	28/03/1999
सूर्य	24/01/1996	चंद्र	06/02/1997	मंग	26/01/1998	राहु	24/04/1999
चंद्र	07/03/1996	मंग	18/02/1997	राहु	28/04/1998	गुरु	19/05/1999
मंग	07/04/1996	राहु	22/03/1997	गुरु	18/07/1998	शनि	17/06/1999
राहु	23/06/1996	गुरु	19/04/1997	शनि	22/10/1998	बुध	13/07/1999
गुरु	31/08/1996	शनि	23/05/1997	बुध	16/01/1999	केतु	23/07/1999
शनि	21/11/1996	बुध	22/06/1997	केतु	21/02/1999	शुक्र	23/08/1999

मंग-मंग		मंग-राहु		मंग-गुरु		मंग-शनि	
23/08/1999		19/01/2000		05/02/2001		12/01/2002	
19/01/2000		05/02/2001		12/01/2002		21/02/2003	
मंग	31/08/1999	राहु	16/03/2000	गुरु	23/03/2001	शनि	17/03/2002
राहु	23/09/1999	गुरु	06/05/2000	शनि	16/05/2001	बुध	14/05/2002
गुरु	13/10/1999	शनि	06/07/2000	बुध	03/07/2001	केतु	06/06/2002
शनि	05/11/1999	बुध	29/08/2000	केतु	23/07/2001	शुक्र	13/08/2002
बुध	26/11/1999	केतु	21/09/2000	शुक्र	18/09/2001	सूर्य	02/09/2002
केतु	05/12/1999	शुक्र	24/11/2000	सूर्य	05/10/2001	चंद्र	06/10/2002
शुक्र	30/12/1999	सूर्य	13/12/2000	चंद्र	02/11/2001	मंग	29/10/2002
सूर्य	06/01/2000	चंद्र	14/01/2001	मंग	22/11/2001	राहु	29/12/2002
चंद्र	19/01/2000	मंग	05/02/2001	राहु	12/01/2002	गुरु	21/02/2003

मंग-बुध		मंग-केतु		मंग-शुक्र		मंग-सूर्य	
21/02/2003		18/02/2004		16/07/2004		15/09/2005	
18/02/2004		16/07/2004		15/09/2005		21/01/2006	
बुध	13/04/2003	केतु	27/02/2004	शुक्र	25/09/2004	सूर्य	22/09/2005
केतु	04/05/2003	शुक्र	23/03/2004	सूर्य	17/10/2004	चंद्र	02/10/2005
शुक्र	04/07/2003	सूर्य	30/03/2004	चंद्र	21/11/2004	मंग	10/10/2005
सूर्य	22/07/2003	चंद्र	12/04/2004	मंग	16/12/2004	राहु	29/10/2005
चंद्र	21/08/2003	मंग	20/04/2004	राहु	18/02/2005	गुरु	15/11/2005
मंग	11/09/2003	राहु	13/05/2004	गुरु	16/04/2005	शनि	05/12/2005
राहु	05/11/2003	गुरु	02/06/2004	शनि	22/06/2005	बुध	24/12/2005
गुरु	23/12/2003	शनि	25/06/2004	बुध	22/08/2005	केतु	31/12/2005
शनि	18/02/2004	बुध	16/07/2004	केतु	15/09/2005	शुक्र	21/01/2006

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

मंग-चंद्र 21/01/2006 22/08/2006		राहु-राहु 22/08/2006 05/05/2009		राहु-गुरु 05/05/2009 28/09/2011		राहु-शनि 28/09/2011 04/08/2014	
चंद्र	08/02/2006	राहु	17/01/2007	गुरु	29/08/2009	शनि	11/03/2012
मंग	20/02/2006	गुरु	29/05/2007	शनि	15/01/2010	बुध	05/08/2012
राहु	24/03/2006	शनि	01/11/2007	बुध	19/05/2010	केतु	05/10/2012
गुरु	22/04/2006	बुध	20/03/2008	केतु	10/07/2010	शुक्र	28/03/2013
शनि	26/05/2006	केतु	16/05/2008	शुक्र	03/12/2010	सूर्य	19/05/2013
बुध	25/06/2006	शुक्र	28/10/2008	सूर्य	15/01/2011	चंद्र	13/08/2013
केतु	07/07/2006	सूर्य	16/12/2008	चंद्र	30/03/2011	मंग	13/10/2013
शुक्र	12/08/2006	चंद्र	08/03/2009	मंग	20/05/2011	राहु	18/03/2014
सूर्य	22/08/2006	मंग	05/05/2009	राहु	28/09/2011	गुरु	04/08/2014

राहु-बुध 04/08/2014 20/02/2017		राहु-केतु 20/02/2017 11/03/2018		राहु-शुक्र 11/03/2018 11/03/2021		राहु-सूर्य 11/03/2021 02/02/2022	
बुध	14/12/2014	केतु	15/03/2017	शुक्र	10/09/2018	सूर्य	27/03/2021
केतु	06/02/2015	शुक्र	18/05/2017	सूर्य	03/11/2018	चंद्र	24/04/2021
शुक्र	12/07/2015	सूर्य	06/06/2017	चंद्र	03/02/2019	मंग	13/05/2021
सूर्य	27/08/2015	चंद्र	08/07/2017	मंग	08/04/2019	राहु	01/07/2021
चंद्र	13/11/2015	मंग	30/07/2017	राहु	19/09/2019	गुरु	14/08/2021
मंग	06/01/2016	राहु	26/09/2017	गुरु	12/02/2020	शनि	05/10/2021
राहु	25/05/2016	गुरु	16/11/2017	शनि	04/08/2020	बुध	20/11/2021
गुरु	26/09/2016	शनि	16/01/2018	बुध	06/01/2021	केतु	10/12/2021
शनि	20/02/2017	बुध	11/03/2018	केतु	11/03/2021	शुक्र	02/02/2022

राहु-चंद्र 02/02/2022 04/08/2023		राहु-मंग 04/08/2023 22/08/2024		गुरु-गुरु 22/08/2024 10/10/2026		गुरु-शनि 10/10/2026 22/04/2029	
चंद्र	20/03/2022	मंग	27/08/2023	गुरु	04/12/2024	शनि	06/03/2027
मंग	21/04/2022	राहु	23/10/2023	शनि	06/04/2025	बुध	15/07/2027
राहु	12/07/2022	गुरु	13/12/2023	बुध	26/07/2025	केतु	07/09/2027
गुरु	23/09/2022	शनि	12/02/2024	केतु	09/09/2025	शुक्र	08/02/2028
शनि	19/12/2022	बुध	06/04/2024	शुक्र	17/01/2026	सूर्य	25/03/2028
बुध	07/03/2023	केतु	29/04/2024	सूर्य	25/02/2026	चंद्र	10/06/2028
केतु	08/04/2023	शुक्र	02/07/2024	चंद्र	01/05/2026	मंग	03/08/2028
शुक्र	08/07/2023	सूर्य	21/07/2024	मंग	15/06/2026	राहु	20/12/2028
सूर्य	04/08/2023	चंद्र	22/08/2024	राहु	10/10/2026	गुरु	22/04/2029

गुरु-बुध 22/04/2029 29/07/2031		गुरु-केतु 29/07/2031 04/07/2032		गुरु-शुक्र 04/07/2032 05/03/2035		गुरु-सूर्य 05/03/2035 22/12/2035	
बुध	18/08/2029	केतु	18/08/2031	शुक्र	13/12/2032	सूर्य	20/03/2035
केतु	05/10/2029	शुक्र	14/10/2031	सूर्य	31/01/2033	चंद्र	13/04/2035
शुक्र	20/02/2030	सूर्य	31/10/2031	चंद्र	22/04/2033	मंग	30/04/2035
सूर्य	02/04/2030	चंद्र	28/11/2031	मंग	18/06/2033	राहु	13/06/2035
चंद्र	10/06/2030	मंग	18/12/2031	राहु	11/11/2033	गुरु	22/07/2035
मंग	29/07/2030	राहु	07/02/2032	गुरु	21/03/2034	शनि	06/09/2035
राहु	30/11/2030	गुरु	24/03/2032	शनि	22/08/2034	बुध	18/10/2035
गुरु	20/03/2031	शनि	17/05/2032	बुध	07/01/2035	केतु	04/11/2035
शनि	29/07/2031	बुध	04/07/2032	केतु	05/03/2035	शुक्र	22/12/2035

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

गुरु-चंद्र
22/12/2035
22/04/2037

चंद्र	01/02/2036
मंग	29/02/2036
राहु	12/05/2036
गुरु	16/07/2036
शनि	01/10/2036
बुध	09/12/2036
केतु	07/01/2037
शुक्र	29/03/2037
सूर्य	22/04/2037

गुरु-मंग
22/04/2037
29/03/2038

मंग	12/05/2037
राहु	02/07/2037
गुरु	17/08/2037
शनि	10/10/2037
बुध	27/11/2037
केतु	17/12/2037
शुक्र	12/02/2038
सूर्य	01/03/2038
चंद्र	29/03/2038

गुरु-राहु
29/03/2038
22/08/2040

राहु	08/08/2038
गुरु	03/12/2038
शनि	20/04/2039
बुध	23/08/2039
केतु	13/10/2039
शुक्र	07/03/2040
सूर्य	20/04/2040
चंद्र	02/07/2040
मंग	22/08/2040

शनि-शनि
22/08/2040
26/08/2043

शनि	12/02/2041
बुध	17/07/2041
केतु	20/09/2041
शुक्र	22/03/2042
सूर्य	16/05/2042
चंद्र	15/08/2042
मंग	18/10/2042
राहु	01/04/2043
गुरु	26/08/2043

शनि-बुध
26/08/2043
05/05/2046

बुध	12/01/2044
केतु	09/03/2044
शुक्र	20/08/2044
सूर्य	08/10/2044
चंद्र	29/12/2044
मंग	25/02/2045
राहु	22/07/2045
गुरु	30/11/2045
शनि	05/05/2046

शनि-केतु
05/05/2046
14/06/2047

केतु	28/05/2046
शुक्र	04/08/2046
सूर्य	24/08/2046
चंद्र	27/09/2046
मंग	20/10/2046
राहु	20/12/2046
गुरु	12/02/2047
शनि	17/04/2047
बुध	14/06/2047

शनि-शुक्र
14/06/2047
13/08/2050

शुक्र	23/12/2047
सूर्य	19/02/2048
चंद्र	26/05/2048
मंग	01/08/2048
राहु	22/01/2049
गुरु	25/06/2049
शनि	25/12/2049
बुध	07/06/2050
केतु	13/08/2050

शनि-सूर्य
13/08/2050
26/07/2051

सूर्य	31/08/2050
चंद्र	28/09/2050
मंग	19/10/2050
राहु	10/12/2050
गुरु	25/01/2051
शनि	21/03/2051
बुध	09/05/2051
केतु	29/05/2051
शुक्र	26/07/2051

शनि-चंद्र
26/07/2051
24/02/2053

चंद्र	12/09/2051
मंग	16/10/2051
राहु	11/01/2052
गुरु	28/03/2052
शनि	28/06/2052
बुध	17/09/2052
केतु	21/10/2052
शुक्र	26/01/2053
सूर्य	24/02/2053

शनि-मंग
24/02/2053
04/04/2054

मंग	19/03/2053
राहु	19/05/2053
गुरु	12/07/2053
शनि	14/09/2053
बुध	10/11/2053
केतु	04/12/2053
शुक्र	09/02/2054
सूर्य	02/03/2054
चंद्र	04/04/2054

शनि-राहु
04/04/2054
08/02/2057

राहु	07/09/2054
गुरु	24/01/2055
शनि	08/07/2055
बुध	03/12/2055
केतु	01/02/2056
शुक्र	24/07/2056
सूर्य	14/09/2056
चंद्र	10/12/2056
मंग	08/02/2057

शनि-गुरु
08/02/2057
23/08/2059

गुरु	12/06/2057
शनि	05/11/2057
बुध	16/03/2058
केतु	09/05/2058
शुक्र	10/10/2058
सूर्य	26/11/2058
चंद्र	11/02/2059
मंग	06/04/2059
राहु	23/08/2059

बुध-बुध
23/08/2059
18/01/2062

बुध	25/12/2059
केतु	15/02/2060
शुक्र	10/07/2060
सूर्य	23/08/2060
चंद्र	04/11/2060
मंग	26/12/2060
राहु	07/05/2061
गुरु	01/09/2061
शनि	18/01/2062

बुध-केतु
18/01/2062
15/01/2063

केतु	08/02/2062
शुक्र	10/04/2062
सूर्य	28/04/2062
चंद्र	28/05/2062
मंग	18/06/2062
राहु	11/08/2062
गुरु	29/09/2062
शनि	25/11/2062
बुध	15/01/2063

बुध-शुक्र
15/01/2063
15/11/2065

शुक्र	07/07/2063
सूर्य	28/08/2063
चंद्र	22/11/2063
मंग	21/01/2064
राहु	25/06/2064
गुरु	09/11/2064
शनि	22/04/2065
बुध	16/09/2065
केतु	15/11/2065

बुध-सूर्य
15/11/2065
22/09/2066

सूर्य	01/12/2065
चंद्र	27/12/2065
मंग	14/01/2066
राहु	01/03/2066
गुरु	12/04/2066
शनि	31/05/2066
बुध	14/07/2066
केतु	01/08/2066
शुक्र	22/09/2066

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

बुध-चंद्र		बुध-मंग		बुध-राहु		बुध-गुरु	
22/09/2066		21/02/2068		17/02/2069		07/09/2071	
21/02/2068		17/02/2069		07/09/2071		13/12/2073	
चंद्र	04/11/2066	मंग	13/03/2068	राहु	07/07/2069	गुरु	26/12/2071
मंग	04/12/2066	राहु	07/05/2068	गुरु	08/11/2069	शनि	05/05/2072
राहु	20/02/2067	गुरु	24/06/2068	शनि	05/04/2070	बुध	31/08/2072
गुरु	30/04/2067	शनि	20/08/2068	बुध	15/08/2070	केतु	18/10/2072
शनि	21/07/2067	बुध	11/10/2068	केतु	08/10/2070	शुक्र	05/03/2073
बुध	02/10/2067	केतु	01/11/2068	शुक्र	12/03/2071	सूर्य	15/04/2073
केतु	01/11/2067	शुक्र	31/12/2068	सूर्य	28/04/2071	चंद्र	23/06/2073
शुक्र	26/01/2068	सूर्य	18/01/2069	चंद्र	14/07/2071	मंग	11/08/2073
सूर्य	21/02/2068	चंद्र	17/02/2069	मंग	07/09/2071	राहु	13/12/2073

बुध-शनि		केतु-केतु		केतु-शुक्र		केतु-सूर्य	
13/12/2073		22/08/2076		18/01/2077		20/03/2078	
22/08/2076		18/01/2077		20/03/2078		26/07/2078	
शनि	17/05/2074	केतु	31/08/2076	शुक्र	30/03/2077	सूर्य	27/03/2078
बुध	04/10/2074	शुक्र	24/09/2076	सूर्य	20/04/2077	चंद्र	06/04/2078
केतु	30/11/2074	सूर्य	02/10/2076	चंद्र	26/05/2077	मंग	14/04/2078
शुक्र	13/05/2075	चंद्र	14/10/2076	मंग	20/06/2077	राहु	03/05/2078
सूर्य	01/07/2075	मंग	23/10/2076	राहु	23/08/2077	गुरु	20/05/2078
चंद्र	21/09/2075	राहु	14/11/2076	गुरु	18/10/2077	शनि	09/06/2078
मंग	17/11/2075	गुरु	04/12/2076	शनि	25/12/2077	बुध	27/06/2078
राहु	13/04/2076	शनि	28/12/2076	बुध	23/02/2078	केतु	05/07/2078
गुरु	22/08/2076	बुध	18/01/2077	केतु	20/03/2078	शुक्र	26/07/2078

केतु-चंद्र		केतु-मंग		केतु-राहु		केतु-गुरु	
26/07/2078		24/02/2079		23/07/2079		10/08/2080	
24/02/2079		23/07/2079		10/08/2080		17/07/2081	
चंद्र	13/08/2078	मंग	05/03/2079	राहु	19/09/2079	गुरु	24/09/2080
मंग	25/08/2078	राहु	27/03/2079	गुरु	09/11/2079	शनि	17/11/2080
राहु	26/09/2078	गुरु	16/04/2079	शनि	09/01/2080	बुध	04/01/2081
गुरु	25/10/2078	शनि	10/05/2079	बुध	03/03/2080	केतु	24/01/2081
शनि	27/11/2078	बुध	31/05/2079	केतु	25/03/2080	शुक्र	22/03/2081
बुध	27/12/2078	केतु	08/06/2079	शुक्र	28/05/2080	सूर्य	08/04/2081
केतु	09/01/2079	शुक्र	03/07/2079	सूर्य	16/06/2080	चंद्र	07/05/2081
शुक्र	13/02/2079	सूर्य	11/07/2079	चंद्र	18/07/2080	मंग	26/05/2081
सूर्य	24/02/2079	चंद्र	23/07/2079	मंग	10/08/2080	राहु	17/07/2081

केतु-शनि		केतु-बुध		शुक्र-शुक्र		शुक्र-सूर्य	
17/07/2081		25/08/2082		23/08/2083		22/12/2086	
25/08/2082		23/08/2083		22/12/2086		22/12/2087	
शनि	19/09/2081	बुध	16/10/2082	शुक्र	13/03/2084	सूर्य	09/01/2087
बुध	15/11/2081	केतु	06/11/2082	सूर्य	12/05/2084	चंद्र	09/02/2087
केतु	09/12/2081	शुक्र	05/01/2083	चंद्र	22/08/2084	मंग	02/03/2087
शुक्र	14/02/2082	सूर्य	23/01/2083	मंग	01/11/2084	राहु	26/04/2087
सूर्य	06/03/2082	चंद्र	22/02/2083	राहु	02/05/2085	गुरु	14/06/2087
चंद्र	09/04/2082	मंग	16/03/2083	गुरु	12/10/2085	शनि	10/08/2087
मंग	03/05/2082	राहु	09/05/2083	शनि	23/04/2086	बुध	01/10/2087
राहु	02/07/2082	गुरु	26/06/2083	बुध	12/10/2086	केतु	22/10/2087
गुरु	25/08/2082	शनि	23/08/2083	केतु	22/12/2086	शुक्र	22/12/2087

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

शुक्र-चंद्र
22/12/2087
22/08/2089

चंद्र	11/02/2088
मंग	18/03/2088
राहु	17/06/2088
गुरु	06/09/2088
शनि	11/12/2088
बुध	08/03/2089
केतु	12/04/2089
शुक्र	23/07/2089
सूर्य	22/08/2089

शुक्र-मंग
22/08/2089
22/10/2090

मंग	16/09/2089
राहु	19/11/2089
गुरु	15/01/2090
शनि	23/03/2090
बुध	23/05/2090
केतु	16/06/2090
शुक्र	26/08/2090
सूर्य	17/09/2090
चंद्र	22/10/2090

शुक्र-राहु
22/10/2090
22/10/2093

राहु	05/04/2091
गुरु	29/08/2091
शनि	18/02/2092
बुध	22/07/2092
केतु	24/09/2092
शुक्र	26/03/2093
सूर्य	20/05/2093
चंद्र	19/08/2093
मंग	22/10/2093

शुक्र-गुरु
22/10/2093
22/06/2096

गुरु	01/03/2094
शनि	02/08/2094
बुध	18/12/2094
केतु	13/02/2095
शुक्र	25/07/2095
सूर्य	12/09/2095
चंद्र	02/12/2095
मंग	28/01/2096
राहु	22/06/2096

शुक्र-शनि
22/06/2096
23/08/2099

शनि	22/12/2096
बुध	04/06/2097
केतु	10/08/2097
शुक्र	19/02/2098
सूर्य	18/04/2098
चंद्र	23/07/2098
मंग	29/09/2098
राहु	21/03/2099
गुरु	23/08/2099

शुक्र-बुध
23/08/2099
23/06/2102

बुध	16/01/2100
केतु	18/03/2100
शुक्र	06/09/2100
सूर्य	28/10/2100
चंद्र	22/01/2101
मंग	23/03/2101
राहु	26/08/2101
गुरु	11/01/2102
शनि	23/06/2102

शुक्र-केतु
23/06/2102
24/08/2103

केतु	18/07/2102
शुक्र	27/09/2102
सूर्य	19/10/2102
चंद्र	23/11/2102
मंग	18/12/2102
राहु	20/02/2103
गुरु	18/04/2103
शनि	24/06/2103
बुध	24/08/2103

सूर्य-सूर्य
24/08/2103
11/12/2103

सूर्य	29/08/2103
चंद्र	07/09/2103
मंग	14/09/2103
राहु	30/09/2103
गुरु	15/10/2103
शनि	01/11/2103
बुध	17/11/2103
केतु	23/11/2103
शुक्र	11/12/2103

सूर्य-चंद्र
11/12/2103
11/06/2104

चंद्र	26/12/2103
मंग	06/01/2104
राहु	02/02/2104
गुरु	27/02/2104
शनि	27/03/2104
बुध	22/04/2104
केतु	02/05/2104
शुक्र	02/06/2104
सूर्य	11/06/2104

सूर्य-मंग
11/06/2104
17/10/2104

मंग	18/06/2104
राहु	07/07/2104
गुरु	24/07/2104
शनि	14/08/2104
बुध	01/09/2104
केतु	08/09/2104
शुक्र	30/09/2104
सूर्य	06/10/2104
चंद्र	17/10/2104

सूर्य-राहु
17/10/2104
10/09/2105

राहु	05/12/2104
गुरु	18/01/2105
शनि	11/03/2105
बुध	26/04/2105
केतु	16/05/2105
शुक्र	09/07/2105
सूर्य	26/07/2105
चंद्र	22/08/2105
मंग	10/09/2105

सूर्य-गुरु
10/09/2105
30/06/2106

गुरु	19/10/2105
शनि	05/12/2105
बुध	15/01/2106
केतु	01/02/2106
शुक्र	22/03/2106
सूर्य	05/04/2106
चंद्र	30/04/2106
मंग	17/05/2106
राहु	30/06/2106

सूर्य-शनि
30/06/2106
12/06/2107

शनि	24/08/2106
बुध	12/10/2106
केतु	01/11/2106
शुक्र	29/12/2106
सूर्य	15/01/2107
चंद्र	13/02/2107
मंग	05/03/2107
राहु	26/04/2107
गुरु	12/06/2107

सूर्य-बुध
12/06/2107
17/04/2108

बुध	26/07/2107
केतु	13/08/2107
शुक्र	03/10/2107
सूर्य	19/10/2107
चंद्र	14/11/2107
मंग	02/12/2107
राहु	17/01/2108
गुरु	28/02/2108
शनि	17/04/2108

सूर्य-केतु
17/04/2108
23/08/2108

केतु	24/04/2108
शुक्र	16/05/2108
सूर्य	22/05/2108
चंद्र	02/06/2108
मंग	09/06/2108
राहु	28/06/2108
गुरु	15/07/2108
शनि	05/08/2108
बुध	23/08/2108

सूर्य-शुक्र
23/08/2108
23/08/2109

शुक्र	23/10/2108
सूर्य	10/11/2108
चंद्र	10/12/2108
मंग	01/01/2109
राहु	25/02/2109
गुरु	14/04/2109
शनि	11/06/2109
बुध	02/08/2109
केतु	23/08/2109

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

राहु-शनि-मंग

13/08/2013 22:12
13/10/2013 15:33

मंग	17/08/2013	11:13
राहु	26/08/2013	13:49
गुरु	03/09/2013	16:08
शनि	13/09/2013	06:53
बुध	21/09/2013	21:20
केतु	25/09/2013	10:21
शुक्र	05/10/2013	13:14
सूर्य	08/10/2013	14:06
चंद्र	13/10/2013	15:33

राहु-शनि-राहु

13/10/2013 15:33
18/03/2014 19:01

राहु	06/11/2013	01:40
गुरु	26/11/2013	21:20
शनि	21/12/2013	14:41
बुध	12/01/2014	17:34
केतु	21/01/2014	20:11
शुक्र	16/02/2014	20:45
सूर्य	24/02/2014	16:08
चंद्र	09/03/2014	16:25
मंग	18/03/2014	19:01

राहु-शनि-गुरु

18/03/2014 19:01
04/08/2014 14:06

गुरु	06/04/2014	07:10
शनि	28/04/2014	06:35
बुध	17/05/2014	22:29
केतु	26/05/2014	00:48
शुक्र	18/06/2014	03:59
सूर्य	25/06/2014	02:32
चंद्र	06/07/2014	16:07
मंग	14/07/2014	18:26
राहु	04/08/2014	14:06

राहु-बुध-बुध

04/08/2014 14:06
14/12/2014 12:49

बुध	23/08/2014	06:43
केतु	30/08/2014	23:26
शुक्र	21/09/2014	23:14
सूर्य	28/09/2014	13:34
चंद्र	09/10/2014	13:27
मंग	17/10/2014	06:11
राहु	06/11/2014	01:11
गुरु	23/11/2014	15:25
शनि	14/12/2014	12:49

राहु-बुध-केतु

14/12/2014 12:49
06/02/2015 20:45

केतु	17/12/2014	16:53
शुक्र	26/12/2014	18:12
सूर्य	29/12/2014	11:24
चंद्र	03/01/2015	00:04
मंग	06/01/2015	04:07
राहु	14/01/2015	07:43
गुरु	21/01/2015	13:34
शनि	30/01/2015	04:02
बुध	06/02/2015	20:45

राहु-बुध-शुक्र

06/02/2015 20:45
12/07/2015 02:18

शुक्र	04/03/2015	17:41
सूर्य	12/03/2015	11:58
चंद्र	25/03/2015	10:25
मंग	03/04/2015	11:45
राहु	26/04/2015	18:35
गुरु	17/05/2015	11:19
शनि	11/06/2015	01:12
बुध	03/07/2015	00:59
केतु	12/07/2015	02:18

राहु-बुध-सूर्य

12/07/2015 02:18
27/08/2015 15:58

सूर्य	14/07/2015	10:11
चंद्र	18/07/2015	07:20
मंग	21/07/2015	00:32
राहु	28/07/2015	00:11
गुरु	03/08/2015	05:12
शनि	10/08/2015	14:10
बुध	17/08/2015	04:30
केतु	19/08/2015	21:42
शुक्र	27/08/2015	15:58

राहु-बुध-चंद्र

27/08/2015 15:58
13/11/2015 06:45

चंद्र	03/09/2015	03:12
मंग	07/09/2015	15:52
राहु	19/09/2015	07:17
गुरु	29/09/2015	15:39
शनि	11/10/2015	22:35
बुध	22/10/2015	22:29
केतु	27/10/2015	11:09
शुक्र	09/11/2015	09:37
सूर्य	13/11/2015	06:45

राहु-बुध-मंग

13/11/2015 06:45
06/01/2016 14:41

मंग	16/11/2015	10:49
राहु	24/11/2015	14:24
गुरु	01/12/2015	20:16
शनि	10/12/2015	10:43
बुध	18/12/2015	03:27
केतु	21/12/2015	07:30
शुक्र	30/12/2015	08:50
सूर्य	02/01/2016	02:02
चंद्र	06/01/2016	14:41

राहु-बुध-राहु

06/01/2016 14:41
25/05/2016 07:41

राहु	27/01/2016	13:38
गुरु	15/02/2016	04:42
शनि	08/03/2016	07:36
बुध	28/03/2016	02:36
केतु	05/04/2016	06:12
शुक्र	28/04/2016	13:02
सूर्य	05/05/2016	12:41
चंद्र	17/05/2016	04:06
मंग	25/05/2016	07:41

राहु-बुध-गुरु

25/05/2016 07:41
26/09/2016 12:08

गुरु	10/06/2016	21:05
शनि	30/06/2016	12:59
बुध	18/07/2016	03:13
केतु	25/07/2016	09:04
शुक्र	15/08/2016	01:48
सूर्य	21/08/2016	06:50
चंद्र	31/08/2016	15:12
मंग	07/09/2016	21:04
राहु	26/09/2016	12:08

राहु-बुध-शनि

26/09/2016 12:08
20/02/2017 23:24

शनि	19/10/2016	20:31
बुध	09/11/2016	17:54
केतु	18/11/2016	08:22
शुक्र	12/12/2016	22:15
सूर्य	20/12/2016	07:12
चंद्र	01/01/2017	14:09
मंग	10/01/2017	04:36
राहु	01/02/2017	07:30
गुरु	20/02/2017	23:24

राहु-केतु-केतु

20/02/2017 23:24
15/03/2017 08:19

केतु	22/02/2017	06:43
शुक्र	26/02/2017	00:12
सूर्य	27/02/2017	03:03
चंद्र	28/02/2017	23:48
मंग	02/03/2017	07:07
राहु	05/03/2017	15:39
गुरु	08/03/2017	15:14
शनि	12/03/2017	04:15
बुध	15/03/2017	08:19

राहु-केतु-शुक्र

15/03/2017 08:19
18/05/2017 06:22

शुक्र	25/03/2017	23:59
सूर्य	29/03/2017	04:42
चंद्र	03/04/2017	12:32
मंग	07/04/2017	06:01
राहु	16/04/2017	20:07
गुरु	25/04/2017	08:40
शनि	05/05/2017	11:33
बुध	14/05/2017	12:53
केतु	18/05/2017	06:22

राहु-केतु-सूर्य

18/05/2017 06:22
06/06/2017 10:35

सूर्य	19/05/2017	05:23
चंद्र	20/05/2017	19:44
मंग	21/05/2017	22:34
राहु	24/05/2017	19:36
गुरु	27/05/2017	08:58
शनि	30/05/2017	09:50
बुध	02/06/2017	03:02
केतु	03/06/2017	05:53
शुक्र	06/06/2017	10:35

राहु-केतु-चंद्र

06/06/2017 10:35
08/07/2017 09:36

चंद्र	09/06/2017	02:30
मंग	10/06/2017	23:15
राहु	15/06/2017	18:18
गुरु	20/06/2017	00:34
शनि	25/06/2017	02:01
बुध	29/06/2017	14:40
केतु	01/07/2017	11:25
शुक्र	06/07/2017	19:15
सूर्य	08/07/2017	09:36

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

राहु-केतु-मंग		राहु-केतु-राहु		राहु-केतु-गुरु		राहु-केतु-शनि	
08/07/2017	09:36	30/07/2017	18:31	26/09/2017	07:10	16/11/2017	10:24
30/07/2017	18:31	26/09/2017	07:10	16/11/2017	10:24	16/01/2018	03:45
मंग	09/07/2017 16:56	राहु	08/08/2017 09:37	गुरु	03/10/2017 02:48	शनि	26/11/2017 01:09
राहु	13/07/2017 01:28	गुरु	16/08/2017 01:42	शनि	11/10/2017 05:07	बुध	04/12/2017 15:37
गुरु	16/07/2017 01:03	शनि	25/08/2017 04:18	बुध	18/10/2017 10:58	केतु	08/12/2017 04:37
शनि	19/07/2017 14:04	बुध	02/09/2017 07:54	केतु	21/10/2017 10:34	शुक्र	18/12/2017 07:31
बुध	22/07/2017 18:08	केतु	05/09/2017 16:26	शुक्र	29/10/2017 23:06	सूर्य	21/12/2017 08:23
केतु	24/07/2017 01:27	शुक्र	15/09/2017 06:33	सूर्य	01/11/2017 12:28	चंद्र	26/12/2017 09:50
शुक्र	27/07/2017 18:56	सूर्य	18/09/2017 03:35	चंद्र	05/11/2017 18:44	मंग	29/12/2017 22:50
सूर्य	28/07/2017 21:47	चंद्र	22/09/2017 22:38	मंग	08/11/2017 18:19	राहु	08/01/2018 01:27
चंद्र	30/07/2017 18:31	मंग	26/09/2017 07:10	राहु	16/11/2017 10:24	गुरु	16/01/2018 03:45

राहु-केतु-बुध		राहु-शुक्र-शुक्र		राहु-शुक्र-सूर्य		राहु-शुक्र-चंद्र	
16/01/2018	03:45	11/03/2018	11:42	10/09/2018	02:42	03/11/2018	21:36
11/03/2018	11:42	10/09/2018	02:42	03/11/2018	21:36	03/02/2019	05:06
बुध	23/01/2018 20:29	शुक्र	10/04/2018 22:12	सूर्य	12/09/2018 20:27	चंद्र	11/11/2018 12:13
केतु	27/01/2018 00:33	सूर्य	20/04/2018 01:21	चंद्र	17/09/2018 10:01	मंग	16/11/2018 20:04
शुक्र	05/02/2018 01:52	चंद्र	05/05/2018 06:36	मंग	20/09/2018 14:43	राहु	30/11/2018 12:47
सूर्य	07/02/2018 19:04	मंग	15/05/2018 22:16	राहु	28/09/2018 19:57	गुरु	12/12/2018 16:59
चंद्र	12/02/2018 07:44	राहु	12/06/2018 07:43	गुरु	06/10/2018 03:17	शनि	27/12/2018 03:58
मंग	15/02/2018 11:47	गुरु	06/07/2018 16:07	शनि	14/10/2018 19:28	बुध	09/01/2019 02:26
राहु	23/02/2018 15:23	शनि	04/08/2018 14:06	बुध	22/10/2018 13:45	केतु	14/01/2019 10:16
गुरु	02/03/2018 21:14	बुध	30/08/2018 11:01	केतु	25/10/2018 18:27	शुक्र	29/01/2019 15:31
शनि	11/03/2018 11:42	केतु	10/09/2018 02:42	शुक्र	03/11/2018 21:36	सूर्य	03/02/2019 05:06

राहु-शुक्र-मंग		राहु-शुक्र-राहु		राहु-शुक्र-गुरु		राहु-शुक्र-शनि	
03/02/2019	05:06	08/04/2019	03:09	19/09/2019	11:51	12/02/2020	14:15
08/04/2019	03:09	19/09/2019	11:51	12/02/2020	14:15	04/08/2020	02:06
मंग	06/02/2019 22:35	राहु	02/05/2019 18:51	गुरु	08/10/2019 23:22	शनि	11/03/2020 01:31
राहु	16/02/2019 12:41	गुरु	24/05/2019 16:49	शनि	01/11/2019 02:33	बुध	04/04/2020 15:24
गुरु	25/02/2019 01:14	शनि	19/06/2019 17:23	बुध	21/11/2019 19:17	केतु	14/04/2020 18:18
शनि	07/03/2019 04:07	बुध	13/07/2019 00:13	केतु	30/11/2019 07:50	शुक्र	13/05/2020 16:16
बुध	16/03/2019 05:27	केतु	22/07/2019 14:20	शुक्र	24/12/2019 16:14	सूर्य	22/05/2020 08:28
केतु	19/03/2019 22:56	शुक्र	18/08/2019 23:47	सूर्य	31/12/2019 23:33	चंद्र	05/06/2020 19:27
शुक्र	30/03/2019 14:36	सूर्य	27/08/2019 05:01	चंद्र	13/01/2020 03:45	मंग	15/06/2020 22:20
सूर्य	02/04/2019 19:19	चंद्र	09/09/2019 21:44	मंग	21/01/2020 16:17	राहु	11/07/2020 22:55
चंद्र	08/04/2019 03:09	मंग	19/09/2019 11:51	राहु	12/02/2020 14:15	गुरु	04/08/2020 02:06

राहु-शुक्र-बुध		राहु-शुक्र-केतु		राहु-सूर्य-सूर्य		राहु-सूर्य-चंद्र	
04/08/2020	02:06	06/01/2021	07:39	11/03/2021	05:42	27/03/2021	16:10
06/01/2021	07:39	11/03/2021	05:42	27/03/2021	16:10	24/04/2021	01:37
बुध	26/08/2020 01:53	केतु	10/01/2021 01:08	सूर्य	12/03/2021 01:25	चंद्र	29/03/2021 22:57
केतु	04/09/2020 03:12	शुक्र	20/01/2021 16:49	चंद्र	13/03/2021 10:18	मंग	31/03/2021 13:18
शुक्र	30/09/2020 00:08	सूर्य	23/01/2021 21:31	मंग	14/03/2021 09:18	राहु	04/04/2021 15:55
सूर्य	07/10/2020 18:25	चंद्र	29/01/2021 05:21	राहु	16/03/2021 20:28	गुरु	08/04/2021 07:35
चंद्र	20/10/2020 16:52	मंग	01/02/2021 22:50	गुरु	19/03/2021 01:04	शनि	12/04/2021 15:41
मंग	29/10/2020 18:12	राहु	11/02/2021 12:57	शनि	21/03/2021 15:32	बुध	16/04/2021 12:49
राहु	22/11/2020 01:02	गुरु	20/02/2021 01:29	बुध	23/03/2021 23:25	केतु	18/04/2021 03:10
गुरु	12/12/2020 17:46	शनि	02/03/2021 04:22	केतु	24/03/2021 22:25	शुक्र	22/04/2021 16:45
शनि	06/01/2021 07:39	बुध	11/03/2021 05:42	शुक्र	27/03/2021 16:10	सूर्य	24/04/2021 01:37

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : संक 7 वर्ष 2 मास 11 दिन

संकटा		मंगला		पिंगला		धान्या	
23/08/1990		03/11/1997		04/11/1998		03/11/2000	
03/11/1997		04/11/1998		03/11/2000		04/11/2003	
संक	15/08/1991	मंग	13/11/1997	पिंग	14/12/1998	धांय	02/02/2001
मंग	04/11/1991	पिंग	04/12/1997	धांय	13/02/1999	भ्राम	04/06/2001
पिंग	14/04/1992	धांय	03/01/1998	भ्राम	05/05/1999	भद्रि	03/11/2001
धांय	14/12/1992	भ्राम	13/02/1998	भद्रि	15/08/1999	उल्क	05/05/2002
भ्राम	03/11/1993	भद्रि	04/04/1998	उल्क	14/12/1999	सिद्ध	04/12/2002
भद्रि	14/12/1994	उल्क	04/06/1998	सिद्ध	04/05/2000	संक	04/08/2003
उल्क	14/04/1996	सिद्ध	14/08/1998	संक	14/10/2000	मंग	04/09/2003
सिद्ध	03/11/1997	संक	04/11/1998	मंग	03/11/2000	पिंग	04/11/2003

भ्रामरी		भद्रिका		उल्का		सिद्धा	
04/11/2003		04/11/2007		03/11/2012		04/11/2018	
04/11/2007		03/11/2012		04/11/2018		03/11/2025	
भ्राम	14/04/2004	भद्रि	14/07/2008	उल्क	03/11/2013	सिद्ध	15/03/2020
भद्रि	03/11/2004	उल्क	15/05/2009	सिद्ध	03/01/2015	संक	04/10/2021
उल्क	05/07/2005	सिद्ध	05/05/2010	संक	04/05/2016	मंग	14/12/2021
सिद्ध	15/04/2006	संक	15/06/2011	मंग	04/07/2016	पिंग	05/05/2022
संक	05/03/2007	मंग	04/08/2011	पिंग	03/11/2016	धांय	04/12/2022
मंग	15/04/2007	पिंग	14/11/2011	धांय	05/05/2017	भ्राम	14/09/2023
पिंग	05/07/2007	धांय	14/04/2012	भ्राम	03/01/2018	भद्रि	03/09/2024
धांय	04/11/2007	भ्राम	03/11/2012	भद्रि	04/11/2018	उल्क	03/11/2025

संकटा		मंगला		पिंगला		धान्या	
03/11/2025		03/11/2033		04/11/2034		03/11/2036	
03/11/2033		04/11/2034		03/11/2036		04/11/2039	
संक	15/08/2027	मंग	13/11/2033	पिंग	14/12/2034	धांय	02/02/2037
मंग	04/11/2027	पिंग	04/12/2033	धांय	13/02/2035	भ्राम	04/06/2037
पिंग	14/04/2028	धांय	03/01/2034	भ्राम	05/05/2035	भद्रि	03/11/2037
धांय	14/12/2028	भ्राम	13/02/2034	भद्रि	15/08/2035	उल्क	05/05/2038
भ्राम	03/11/2029	भद्रि	04/04/2034	उल्क	14/12/2035	सिद्ध	04/12/2038
भद्रि	14/12/2030	उल्क	04/06/2034	सिद्ध	04/05/2036	संक	04/08/2039
उल्क	14/04/2032	सिद्ध	14/08/2034	संक	14/10/2036	मंग	04/09/2039
सिद्ध	03/11/2033	संक	04/11/2034	मंग	03/11/2036	पिंग	04/11/2039

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

योगिनी दशा

सिद्धा		संकटा		संकटा		संकटा	
04/11/2090		03/11/2097		03/11/2097		03/11/2097	
03/11/2097		00/00/0000		00/00/0000		00/00/0000	
सिद्ध	15/03/2092	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098
संक	04/10/2093	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000
मंग	14/12/2093	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000
पिंग	05/05/2094	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000
धांय	04/12/2094	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000
भ्राम	14/09/2095	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000
भद्रि	03/09/2096	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000
उल्क	03/11/2097	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000

संकटा		संकटा		संकटा		संकटा	
03/11/2097		03/11/2097		03/11/2097		03/11/2097	
00/00/0000		00/00/0000		00/00/0000		00/00/0000	
संक	23/08/2098	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098
मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000
पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000
धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000
भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000
भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000
उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000
सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000

संकटा		संकटा		संकटा		संकटा	
03/11/2097		03/11/2097		03/11/2097		03/11/2097	
00/00/0000		00/00/0000		00/00/0000		00/00/0000	
संक	23/08/2098	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098
मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000
पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000
धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000
भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000
भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000
उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000
सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती ह। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	5
भाग्यांक	5
मित्र अंक	3, 5, 9
शत्रु अंक	2, 4, 8
शुभ वर्ष	23,32,41,50,59
शुभ दिन	रवि, गुरु, मंगल
शुभ ग्रह	सूर्य, गुरु, मंग
मित्र राशि	वृष, मिथु
मित्र लग्न	मीन, सिंह, तुला
अनुकूल देवता	गणेश
शुभ रत्न	पुखराज
शुभ उपरत्न	सुनहला, पीला हकीक
भाग्य रत्न	माणिक्य
शुभ धातु	कांसा
शुभ रंग	पीत
शुभ दिशा	पूर्वोत्तर
शुभ समय	संध्या
दान पदार्थ	हल्दी, पुस्तक, पीत पुष्प
दान अन्न	दाल चना
दान द्रव्य	घी

Future Point Future Point Future Point

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सौंपकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है। सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

शुभ रत्न

जीवन रत्नः	पुखराज	दुर्घटना से बचाव,स्वास्थ्य,सुख
भाग्य रत्नः	माणिक्य	भाग्योदय,स्वास्थ्य,सुख
कारक रत्नः	मूंगा	शत्रु व रोग मुक्ति,सन्तति सुख,कम खर्च

दशा	रत्न	क्षमता	मंत्र-जप/व्रत/दान/लाभ
चन्द्र	माणिक्य	85%	ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः (11000)
23/08/1990	पुखराज	74%	सोमवार,चावल, शंख, कपूर, श्वेतचन्दन, दही
23/08/1999	मूंगा	55%	व्यावसायिक उन्नति, दुर्घटना से बचाव, कम खर्च
मंगल	पुखराज	77%	ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः (10000)
23/08/1999	माणिक्य	77%	मंगलवार,मल्का, केसर, कस्तूरी, रक्तचन्दन, घी
22/08/2006	मूंगा	77%	शत्रु व रोग मुक्ति, सन्तति सुख, कम खर्च
राहु	माणिक्य	78%	ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः (18000)
22/08/2006	पुखराज	77%	शनिवार,तिल, सरसों, खड्ग, कम्बल, तेल
22/08/2024	मूंगा	51%	धन, सन्तति सुख, कम खर्च
गुरु	पुखराज	94%	ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः वृहस्पतये नमः (19000)
22/08/2024	माणिक्य	82%	गुरुवार,दाल चना, हल्दी, पुस्तक, पीत पुष्प, घी
22/08/2040	मूंगा	60%	दुर्घटना से बचाव, स्वास्थ्य, सुख
शनि	पुखराज	81%	ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः (23000)
22/08/2040	माणिक्य	70%	शनिवार,उड़द, कस्तूरी, कृष्ण गौ, उपानह, तेल
23/08/2059	मूंगा	60%	स्वास्थ्य, धन, पराक्रम
बुध	माणिक्य	85%	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः (9000)
23/08/2059	पुखराज	81%	बुधवार,मूँग, हाथी दाँत, कपूर, फल, घी
22/08/2076	मूंगा	55%	भाग्योदय, दम्पति, व्यावसायिक उन्नति
केतु	पुखराज	81%	ऊँ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः (17000)
22/08/2076	माणिक्य	75%	मंगलवार,तिल, सप्तधान्य, नारियल, शस्त्र, दही
23/08/2083	मूंगा	60%	दुर्घटना से बचाव, दम्पति, व्यावसायिक उन्नति
शुक्र	पुखराज	81%	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः (16000)
23/08/2083	माणिक्य	75%	शुक्रवार,चावल, मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन, दूध
24/08/2103	मूंगा	56%	दुर्घटना से बचाव, शत्रु व रोग मुक्ति, धनार्जन
सूर्य	माणिक्य	95%	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः (7000)
24/08/2103	पुखराज	84%	रविवार,गेहुँ, मूंगा, केसर, रक्तचन्दन, घी
23/08/2109	मूंगा	58%	भाग्योदय, शत्रु व रोग मुक्ति, धनार्जन

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाग्य रत्न
आपका शुभ रत्न –टोपाज

आपका जन्म धनु राशि के लग्न में हुआ है। इसका स्वामी गुरु होता है। गुरु सबसे अधिक महत्वपूर्ण ग्रह है क्योंकि यह ज्योतिष शास्त्र में सबसे शुभ ग्रह माना जाता है तथा गुरु को ज्योतिष में अमृत के समान माना जाता है। किसी भी जातक के लिये लग्न सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इससे जातक की आयुष्य, मान–सम्मान, प्रतिष्ठा, सुख, समृद्धि, स्वभाव, भौतिक संरचना तथा सुख का ज्ञान होता है। यदि किसी व्यक्ति का लग्न बलवान हो तो उस जातक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होते हुए अच्छी पद प्रतिष्ठा एवं मान सम्मान की प्राप्ति होती है।

अतः धनु राशि के लग्न वाले जातकों को धनु राशि के स्वामी ग्रह गुरु को बलवान बनाना, पूजा, अनुष्ठान, मंत्र पूजा आदि करना श्रेष्ठ माना जाता है। गुरु ग्रह के लिये टोपाज रत्न धारण किया जाता है। इस रत्न को यदि अंगूठी में धारण किया जाये तो जातक को उपर्युक्त सभी लाभ मिलेंगे अर्थात जातक सुखी, प्रसन्नचित, स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हुए आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करता है। वैसे भी गुरु सलाहकार एवं धन का प्रतिनिधि ग्रह है जिससे जातक को सभा में वाणीपटुता के कारण मार्गदर्शक के रूप में सम्मान प्राप्त होता है।

इस रत्न को धारण करने से जातक को घर के बुजुर्गों तथा गुरुओं का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। गुरु ग्रह ज्ञान एवं धन लाभ का प्रतिनिधि ग्रह है। जिसको लीवर या गुर्दे से संबंधित रोग हों तो उनको भी इस रत्न को धारण करने से लाभ प्राप्त होता है तथा जिसको धन आगमन में व्यवधान हो रहे हों उनको यह रत्न अल्प प्रयास से धन प्राप्ति करवाता है।

टोपाज रत्न को अंगूठी बनाकर सीधे हाथ की तर्जनी अंगुली में धारण किया जाता है। क्योंकि तर्जनी अंगुली हस्तरेखा शास्त्र में गुरु की अंगुली मानी जाती है । टोपाज रत्न गुरु का रत्न है, अतः इसके वार स्वामी अर्थात गुरुवार को ही धारण किया जाता है। इसको धारण करने का उपयुक्त समय प्रातःकाल गुरु की होरा में श्रेष्ठ होता है। गुरुवार के दिन सूर्योदय काल से एक घंटे तक का समय गुरु की होरा का होता है। टोपाज को यदि गुरुवार के साथ–साथ गुरु के नक्षत्र अर्थात् पुनर्वसु, विशाखा और पूर्वा भाद्रपद में धारण किया जाये तो वह और भी उत्तम होता है।

टोपाज को धारण करने से पूर्व इसको गंगाजल एवं पंचामृत से शुद्ध करके, लकड़ी के एक पटरे पर पीले रंग के कपड़े पर रखकर इसके सम्मुख, धूप, दीप, अगरबत्ती जलाकर, गुरु के 108 मंत्रों का जाप करके इसे ऊर्जावान बनाकर माथे से लगाकर सीधे हाथ की तर्जनी अंगुली में धारण करना चाहिए।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

गुरु का मंत्र – ऊँ वृं वृहस्पतये नमः

इसको धारण करने के पश्चात यदि गुरु से संबंधित पदार्थ जैसे चने की दाल, गुड़, सवा मीटर पीले कपड़े का दान करें तो टोपाज रत्न की अंगूठी धारण करना और भी अधिक फलदायी होता है। इसके अतिरिक्त अंगूठी धारण करने के पश्चात भी प्रतिदिन गुरु का 108 बार स्नानादि के पश्चात मंत्र पाठ करें और केले की जड़ में जल दें तथा विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और उनकी उपासना करें तो यह टोपाज रत्न की अंगूठी आपको लगातार शुभ फल देती रहेगी। प्रत्येक गुरुवार को विष्णु जी की उपासना करें तथा विष्णु जी को गुड़ व चने की दाल का भोग लगायें तो यह और अधिक शुभकारी हो जाता है।

धनु लग्न वाले जातक यदि टोपाज रत्न की अंगूठी विधि विधान के साथ धारण करते हैं एवं मंत्र जाप द्वारा सिद्ध करते रहते हैं तो वे आजीवन स्वस्थ जीवन का आनंद उठाते हुए पूर्ण मान–सम्मान तथा प्रतिष्ठा युक्त जीवन प्राप्त करते हैं।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

शनि की ढैया एवं साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है । शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	16/04/1998-05/06/2000
साढेसाती प्रथम ढैया	01/11/2006-09/09/2009
साढेसाती द्वितीय ढैया	09/09/2009-15/11/2011
साढेसाती तृतीय ढैया	15/11/2011-02/11/2014
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	19/01/2017-18/01/2020

द्वितीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	26/10/2027-11/04/2030
साढेसाती प्रथम ढैया	20/08/2036-29/06/2039
साढेसाती द्वितीय ढैया	29/06/2039-06/03/2041
साढेसाती तृतीय ढैया	06/03/2041-02/12/2043
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	29/11/2046-20/07/2049

तृतीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	01/04/2057-22/05/2059
साढेसाती प्रथम ढैया	03/10/2065-21/08/2068
साढेसाती द्वितीय ढैया	21/08/2068-25/10/2070
साढेसाती तृतीय ढैया	25/10/2070-20/04/2073
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	04/08/2076-03/01/2079

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	अशुभ	सन्तति कष्ट
साढेसाती प्रथम ढैया	अशुभ	बदनामी
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	व्यावसाय
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	धनार्जन
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	स्वास्थ्य

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

शनि की ढैया एवं साढ़ेसाती विचार

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपमुा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उमुद की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति षष्ठ भाव में है। षष्ठ भाव शत्रु रोग, ऋण आदि का प्रतिनिधि भाव है अतः इस भाव में मंगल के प्रभाव से आप एक पराक्रमी पुरुष होंगे तथा शत्रु वर्ग को पराजित करने में समर्थ रहेंगे साथ ही शरीर में रोगाभाव रहेगा तथा सामान्यतया आप स्वस्थ ही रहेंगे। आप पराक्रमी एवं कठोर कार्यों को करने में रुचिशील रहेंगे। अतः आप पुलिस सेना या अन्य पराक्रमी विभागों में कार्यरत भी हो सकते हैं। जीवन में आपको ऋण अल्प मात्रा में ही लेना पड़ेगा तथा यदि लेना भी पड़ा तो आप इसे वापस देने में समर्थ रहेंगे जिससे मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी। साथ ही आप जीवन में इच्छित धन ऐश्वर्य एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। आपके प्रभावी व्यक्तित्व से अन्य जन आपसे प्रभावित रहेंगे।

षष्ठ भाव से नवम भाव पर मंगल की चतुर्थ दृष्टि के प्रभाव से आप धर्म या धार्मिक कार्यों पर अल्प मात्रा में ही रुचि रखेंगे साथ ही भाग्य की अपेक्षा आप कर्म पर अधिक विश्वास करेंगे। अतः आपके सांसारिक कार्यों की सिद्धि भाग्य बल की अपेक्षा परिश्रम पूर्वक कार्य करने से ही पूर्ण होगी। द्वादश भाव पर सप्तम दृष्टि के प्रभाव से आपका व्यय अधिक होगा। साथ ही यदा कदा आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधानों का भी सामना करना पड़ेगा परन्तु दाम्पत्य सुख का आप सामान्य रूप से उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। लग्न पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से आप समय समय पर गर्मी या रक्त विकार संबंधी परेशानी की अनुभूति करेंगे लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। आप अपने कार्यों को उत्साह पराक्रम एवं परिश्रम से सम्पन्न करके उनमें इच्छित सफलताएं अर्जित करेंगे।

इस प्रकार षष्ठ भावस्थ मंगल की स्थिति आपके लिए सामान्यतया अच्छी रहेगी

Future Point Future Point Future Point

जिसके प्रभाव से आप धनऐश्वर्य से युक्त रहेंगे तथा अपने परिवार का आधुनिक परिवेश में लालन पालन करने में समर्थ होंगे जिससे पारिवारिक सुख शान्ति बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से आप पूर्ण सहयोग सुख एवं सम्मान प्राप्त होगा। अतः आप प्रसन्नता पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे।

Future Point Future Point Future Point

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत
2. कुलिक
3. वासुकि
4 शङ्खपाल
5. पद्म
6. महापद्म
7. तक्षक
8. कर्कोटक
9. शङ्खचूड
10. घातक
11. विषधर एवं
12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु–केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु–केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब–जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु–केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

आपकी जन्मकुण्डली में कुलिक नामक कालसर्प योग विद्यमान है। परन्तु यह केवल आंशिक रूप में ही विद्यमान है। परिणामस्वरूप जातक के जीवन में समय–समय पर आर्थिक स्थिति नाजुक रहती है जिस कारण थोड़ा बहुत कष्ट जातक को सहन करना पड़ता है और अपयश का भय बना रहता है।

इस योग के कारण जातक का विद्याध्ययन सामान्य रहता है और वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी दुःखमय हो जाता है। परिवारिक सदस्यों से समय–समय पर थोड़ा बहुत मनमुटाव हो जाता है। मित्रगण समय पर धोखा एवं कष्ट पहुँचाते हैं। जीवन में आगे बढ़ने के लिए विशेष रूप से संघर्ष नहीं करना पड़ता है। सन्तान सुख में किंचित बाधा आती है। पुत्र आज्ञा का पालन करने में असमर्थ होता है। वह थोड़ा बहुत क्रूर एवं दुष्ट स्वभाव का होता है तथा मनमानी करता रहता है, जिससे जातक प्रभावित हो जाता है। सामाजिक मान–सम्मान व प्रतिष्ठा में आंशिक नुकसान होता है और जातक भूत प्रेतों से कभी कभी परेशान हो जाता है।

इस योग के कारण जातक को कभी–कभी रोग व्याधि भी घेर लेती है जिससे स्वास्थ्य असामान्य हो जाता है और मानसिक रूप से चिन्तित होना पड़ता है। जातक अपनी वृद्धावस्था को लेकर चिन्तित रहता है और वह समय आने पर कष्ट को भोगता है। जातक परोपकार की भावना से ओतप्रोत रहता है, परन्तु लोग इसका नाजायज फायदा उठाते हैं, जिससे इन्हें थोड़ा बहुत क्षति ही मिलती है। जीवन यापन मध्यम रहता है और जातक पराक्रमहीन हो जाता है। सुखभोग का आंशिक

अभाव रहता है। लेकिन इतना सब कुछ होते हुए भी जातक व्यापार में मनोभिलषित (इच्छित) सफलता प्राप्त करता है और जातक के जीवन में मान–सम्मान भी मिलता है। यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1.काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।

2.प्रत्येक सोमवार को दही से भगवान शंकर पर – ऊँ हर हर महादेव' कहते हुए अभिषेक करें। यह केवल 16 सोमवार तक करें।

3.सरस्वती जी की एक वर्ष विधिवत उपासना करें।

4.शुभ मुहूर्त्त में अभिमन्त्रित चाँदी या अष्टधातु का नाग बनाकर अंगुली में धारण करें।

5.हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।

6.शुभ मुहूर्त्त में बहते पानी में कोयला तीन बार प्रवाहित करें।

7.श्रावणमास में 30 दिन तक महादेव का अभिषेक करें।

8.राहु कवच एवं स्तोत्र का पाठ करें। खासकर राहु की दशा अन्तरदशा काल में।

9.देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबालकर सवा महीने तक स्नान करें।

10.शुभ मुहूर्त्त में मुख्य द्वार पर चाँदी का स्वस्तिक एवं दोनों ओर धातु से निर्मित नाग चिपका दें।

11.गोमेद, सुवर्ण, तिल, सरसों, नीलवस्त्र, खड्ग, कम्बल आदि समय–समय पर दान करें।

12.जौ के दाने पक्षियों को सवा महीने तक खिलाएँ।

13.शुभ मुहूर्त में नागपाश यन्त्र को अभिमन्त्रित कर धारण करें।

14.नीला रूमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन धारण करें।

15.महामृत्युंजय कवच का पाठ नित्य करें।

16.नवनाग स्तोत्र का एकवर्ष तक प्रतिदिन पाठ करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्री खण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 23 है। दो एवं तीन के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह को माना गया है। अंक दो का स्वामी चन्द्र तथा अंक तीन का गुरु है। अतः आपके जीवन पर मूलांक स्वामी बुध अंक स्वामी चन्द्र तथा गुरु तीनों का सम्मिलित प्रभाव दर्शनीय होगा।

मूलांक पाँच के प्रभाव से आपकी रुचि नौकरी की अपेक्षा व्यापार में अधिक रहेगी। बुध वाणिज्य का दाता है। यदि नौकरी भी करेंगे तो कॉमर्शियल विभाग, वित्त प्रधान कार्यों में रुचि रखेंगे। आप प्रत्येक कार्य को शीघ्रता से समाप्त करेंगे। रोजगार का चुनाव आप ऐसा ही करेंगे जहाँ कार्य शीघ्रता से एवं कम मेहनत करने पर अधिक लाभ प्राप्त होता हो। मानसिक स्थिति चंचल होने से क्रोध ा आपको जल्दी आयेगा, लेकिन उसी गति से शान्त हो जायेगा। बुद्धि का अधिक प्रयोग करने के कारण वृद्धावस्था में आपको स्नायुवेग के रोगों की संभावना रहेगी। चन्द्र प्रभाव से शीतरोग एवं गुरु प्रभाव से पीलिया जैसे उदर रोगों का सामना करना पड़ेगा।

चद्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आर्थिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी। बौद्धिक स्तर उच्च होगा। समाज में घुल–मिल जाने की कला में आप निपुण रहेंगे। सामाजिक ख्याति आपकी उच्चकोटि की रहेगी एवं मुखिया इत्यादि का सामाजिक पद विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा। आपको अपनी मानसिक चंचलता पर नियंत्रण रखना भविष्य के लिये लाभ दायक रहेगा।

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व–बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगे जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगे एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगे। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगे।

आपकी व्यवसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगे एवं आवश्यकतानुसार वक्त–वे–वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को ब खूबी निभायेंगे तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत–मस्तक होंगे।

आपका मूलांक 5 है तथा आपका भाग्यांक भी 5 है। मूलांक और भाग्यांक दोनों का स्वामी बुध है। मूलांक–भाग्यांक एक ही होने के कारण बुध ग्रह का विशेष प्रभाव आपके जीवन में दृष्टिगोचर होगा। आपका रुझान लेखन, गणित, लेखा, यांत्रिकी तथा ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में विशेष रहेगा। आप एक होनहार व्यक्ति के रूप में अपने कार्यक्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित करेंगे। रोजगार–व्यापार के क्षेत्र में आप अपनी व्यवसायिक बुद्धि के द्वारा अच्छी सफलताएं अर्जित करेंगे तथा आप प्रत्येक कार्य को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करना पसंद करेंगे एवं आपकी हमेशा यही इच्छा रहेगी की आप दूसरों से अपेक्षित कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करा लें। धन संग्रह की ओर आपका विशेष रूझान रहेगा एवं अपने जीवन में युवा अवस्था से ही आप धन संग्रह करना प्रारंभ कर देंगे। आर्थिक तंगी का आपको कम से कम सामना करना पड़ेगा। आपकी सामाजिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी तथा आप समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगे।

आपका भाग्योदय 23 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 32 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 41 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

मूलांक 5 एवं भाग्यांक 5 की मित्रता 3 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 3, 5, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनमें आपके जीवन की कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपका मूलांक–भाग्यांक एक ही होने से मूलांक–भाग्यांक के फलों में द्विगुणित वृद्धि होगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन्, या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, मई, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 5 एवं भग्यांक 5 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 3, 5, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 5, 9 होता है, आपके लिए शुभ

Future Point Future Point Future Point

फलदायक रहेंगे।

3, 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
5, 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68
9, 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।

Future Point Future Point Future Point

ग्रह फल

सूर्य

नवमभाव में सूर्य होतो जातक साहसी, ज्योतिषी, नेता सदाचारी, तपस्वीयोगी, वाहनसुख, भृत्यसुख एवं पिता के लिए अशुभ होता है।

सिंह राशि में रवि हो तो जातक सत्संगी पुरुषार्थी, योगाभ्यासी, वनविहारी, क्रोधी, गम्भीर, उत्साही, तेजस्वी एवं धैर्यशाली होता है।

चन्द्र

दसवेंभाव में चन्द्रमा हो तो जातक कार्यकुशल, व्यापारी, कार्यपरायण, सुखी, यशस्वी, विद्वान्, कुल-दीपक, दयालु, निर्बल बुद्धि, सन्तोषी लोकहितैषी, मानी, प्रसन्नचित्त एवं दीर्घायु होता है।

कन्या राशि में चन्द्रमा हो तो जातक सुन्दर, रूपवान, धनी ईमानदार, मधुरभाषी, सदाचारी, धीर, विद्वान, सुखी, सुन्दर वक्ता अधिक कन्या सन्तान वाला, ज्योतिष एवं कला प्रेमी होता है।

मंगल

छठेभाव में मंगल हो तो जातक बलवान्, धैर्यशाली, प्रबल जठराग्नि, कुलवन्त, प्रचण्ड शक्ति, शत्रुहन्ता, ऋणी, दादरोगी, क्रोधी, पुलिस अफसर, व्रण और रक्तविकार युक्त एवं अधिकव्यय करने वाला होता है।

वृष राशि में मंगल हो तो जातक अत्यन्त कामुक, अनैतिक आचरण, पुत्रद्वेषी, प्रवासी, सुखहीन, लड़ाकू प्रकृति, वंचक, सिद्धान्त रहित, स्वार्थी एवं क्रूर होता है।

बुध

नवमभाव में बुध हो तो जातक विद्वान् लेखक, ज्योतिषी, धर्मभीरु, व्यवसाय प्रिय, भाग्यवान्, सम्पादक, गवैया, कवि एवं सदाचारी होता है।

सिंह राशि में बुध हो तो जातक मिथ्याभाषी, कुकर्मी, ठग, कामुक, भ्रमणशील, अभिमानी, वक्ता, कम उम्र में विवाह, आवेशपूर्ण स्वभाव एवं सरकारी नौकर होता है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

गुरु

अष्टमभाव में गुरु हो तो जातक दीर्घायु, नम्रव्यवहार, लेखक, सुखी, शान्त, मधुरभाषी, विवेकी, न्थकार, कुलदीपक, ज्योतिषप्रेमी, मित्रों द्वारा धननाशक, गुप्तरोगी एवं लोभी होता है।

कर्क राशि में गुरु हो तो जातक सदाचारी, विद्वान्, सत्यवक्ता महायशस्वी, साम्यवादी, सुधारक, योगी, लोकमान्य, सुखी, धनी, नेता, कुशाबुद्धि एवं वफादार होता है।

शुक्र

अष्टम भाव में शुक्र हो तो जातक ज्योतिषी, क्रोधी, मनस्वी, दुखी, गुप्तरोगी, पर्यटनशील, परस्त्रीरत, विदेशवासी, निर्दयी, गुप्तविद्याओं के प्रतिरुचि एवं रोगी होता है।

कर्क राशि में शुक्र हो तो जातक धार्मिक, ज्ञाता, सुन्दर, सुख और धन का इच्छुक, नीतिज्ञ, आवेशपूर्ण, डरपोक, दुःखी एवं प्रचुर सन्तान होता है।

शनि

लग्न (प्रथम) में शनि मकर, कुम्भ तथा तुला का हो तो धनाढ्य, सुखी, धनु और मीन राशियों में हो तो अत्यन्त धनवान् और सम्मानित एवं अन्य राशियों का हो तो अशुभ होता है।

धनु राशि में शनि हो तो जातक व्यवहारज्ञ, पुत्र की कीर्ति से प्रसिद्ध सदाचारी, वृद्धावस्था में सुखी, सक्रिय, चतुर शान्तिप्रिय, दुःखी विवाहित जीवन एवं धनी होता है।

राहु

द्वितीय भाव में राहु हो तो जातक संहशील, अल्पधनवान्, कठोरभाषी, कुटुम्बहीन, अल्पसन्तति, मात्सर्ययुक्त एवं परदेशगामी होता है।

मकर राशि में राहु हो तो जातक मितव्ययी, कुटुम्बहीन एव दाँत रोगी होता है।

केतु

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

अष्टम भाव में केतु हो तो जातक दुर्बुद्धि, स्त्रीद्वेषी, चालाक, दुष्टजनसेवी, तेजहीन, नीच, स्त्री की कुण्डली में पति के लिए अशुभ एवं अल्पायु होता है।

कर्क राशि में केतु हो तो जातक वातविकारी, भूतप्रेत पीड़ित एवं दुःखी होता है।

Future Point Future Point Future Point

भाव फल

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में धनुराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। सामान्यतया धनु लग्न में उत्पन्न जातक स्वस्थ, बलवान एवं शांत स्वभाव के व्यक्ति होते हैं परन्तु यदाकदा ये अभिमान के भाव का प्रदर्शन करते हैं। धार्मिकता की भावना इनमें विद्यमान रहती है तथा अत्यंत ही बुद्धिमता से सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करते हैं तथा उनमें सफलता भी प्राप्त करते हैं फलतः जीवन में धनैश्वर्य एवं सुख संसाधनों को अर्जित करने में ये समर्थ रहते हैं। आदर्शवाद एवं अध्यात्मवाद के मध्य प्रवृत रहकर ये भौतिक सुखों का भी उपभोग करते हैं। अन्य जनों के ये विश्वास पात्र होते हैं परन्तु स्वयं दूसरों पर विश्वास कम ही करते हैं। दानशीलता की भी इनकी प्रवृति होती है तथा सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश की प्राप्ति होती रहती है। धर्म, राजनीति, कानून तथा गणित या ज्योतिष आदि में इनकी रूचि रहती है तथा परिश्रमपूर्वक इन क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करते हैं। भौतिक प्रलोभनों की अपेक्षा इन्हें प्रेम से आसानी से वश में किया जा सकता है।

अतः इसके प्रभाव से आप स्वस्थ एवं बलशाली पुरूष होंगे तथा परिश्रम एवं बुद्धिमतापूर्वक अपने महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करके उनमें सफलता प्राप्त करेंगे। आप एक अध्ययनशील व्यक्ति होंगे अतः विभिन्न विषयों का आपको अच्छा ज्ञान होगा। कला के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी तथा जीवन में निहित उददेश्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष करेंगे। साथ ही अन्य जनों से कभी भी द्वेष या ईर्ष्या का भाव नहीं रखेंगे। शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों से भी आपका उदारतापूर्वक व्यवहार रहेगा। इसके अतिरिक्त अपनी व्यवहार कुशलता, बुद्धिमता तथा धैर्य से कार्यक्षेत्र में उन्नति करेंगे तथा सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

लग्न में लग्नेश बृहस्पति की राशि के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आपका व्यक्तित्व आकर्षक रहेगा तथा अन्य लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। आप एक विद्वान पुरूष होंगे तथा वैदिक धार्मिक या ज्योतिष सम्बन्धी विषयों का अध्ययन करेंगे तथा इस क्षेत्र में आप परिश्रमपूर्वक कोई विशिष्ट उपलब्धि तथा यश अर्जित करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा सुखैश्वर्य वैभव एवं सुख संसाधनों को अर्जित करके उनका उपभोग करने में समर्थ होंगे। पुत्र संतति से आप युक्त होंगे तथा इनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग मिलेगा। साथ ही पिता के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सम्मान की भावना रहेगी तथा उनकी सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इससे आपको आत्मसन्तुष्टि की अनुभूति होगी। परिवार की उन्नति एवं समृद्धि में आपका प्रमुख सहयोग रहेगा तथा समाजिक जनों के मध्य प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

आप आस्तिक विचारों के पुरूष होंगे तथा धर्म के प्रति आपके मन में निष्ठा रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक सम्पन्न करेंगे। साथ ही तीर्थयात्रा आदि के भी योग बनेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग के मध्य आपकी लोकप्रियता रहेगी तथा उनसे पूर्ण सम्मान सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। इस प्रकार आप स्वस्थ बुद्धिमान विद्वान पराक्रमी तथा धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा सर्व भौतिक सुखों को अर्जित करके सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव फल

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप अन्य जनों से अपना वायदा पूरा नहीं करेंगे तथा अपना अधिकाशं समय अनावश्यक वार्तालाप में ही व्यतीत करेंगे। आप इतनी बातूनी प्रकृति के व्यक्ति होंगे कि अन्य लोग आसानी से आप पर काबू नहीं पा सकते हैं। आपका स्वभाव आधुनिक विचारों से युक्त रहेगा तथा विनम्रता का भाव भी विद्यमान रहेगा। आपकी एक मुख्य विशेषता यह रहेगी कि आप किसी को भी अनावश्यक रूप से अपना मित्र नहीं बनाएंगे तथा अत्यंत ही सोच समझकर ही किसी से मित्रता करेंगे जब आप पूर्ण रूप से सन्तुष्ट हो जाएंगे।

आप आंतरिक मन से पारिवारिक जनों की पूर्ण चिंता करेंगे परन्तु प्रत्यक्ष में उपेक्षा के भाव को ही प्रदर्शित करेंगे। इससे कई बार पारिवारिक जनों के मध्य अनावश्यक मतभेद की भी संभावना रहेगी तथापि उनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलता रहेगा तथा परिवार की खुशहाली के लिए आप सदैव प्रयत्न तथा परिश्रमशील रहेंगे। आप विभिन्न स्वादों के प्रिय रहेंगे तथा अवसरानुकूल इनका आस्वादन करते रहेंगे। वृद्धावस्था में आपको नेत्र संबधी कष्ट की भी संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त नौकरी या अन्य साधनों से आप इच्छित मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही विदेश भम्रण आदि से भी लाभ की संभावना रहेगी। इस प्रकार वैभवशाली जीवन व्यतीत करने में आप समर्थ रहेंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

भाव फल

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन, लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति अच्छी रहेगी तथा किसी भी वस्तु या विषय को आसानी से नहीं भूल पाएंगे। भाई बहिनों से आप युक्त रहेंगे तथा वे बुद्धिमान आदर्श तथा आज्ञाकारी होंगे तथा आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आर्थिक रूप से भी उनकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी एवं सामाजिक मान सम्मान से भी युक्त रहेंगे। साथ ही परस्पर कमियों या गलतियों की आप उपेक्षा करेंगे जिससे परिवार में शान्ति तथा खुशहाली बनी रहेगी तथा सभी परिवार की मर्यादा तथा सम्मान के लिए चिन्तित रहेंगे। मित्र एवं संबधियों से भी आपके सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग मिलता रहेगा।

आप एक साहसी तथा पराक्रमी पुरूष होंगे तथा स्वपरिश्रम एवं विद्वता से उपलब्धियां अर्जित करेंगे। साथ ही यदि कोई परेशानी या समस्या उत्पन्न होगी तो दृढ़ता पूर्वक उसका सामना करेंगे। जो आप कहेंगे वहीं करेंगे भी यह आपके व्यक्तित्व की विशेषता रहेगी। आप एक सिद्धांतवादी पुरूष होंगे तथा अपने सिद्धांतों पर दृढ़ रहेंगे चाहे उनका फल कुछ भी हो। साथ ही वाहन, दूरदर्शन या टेलीफोन आदि संचार तथा भौतिक साधनों की भी आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक जीवन में इनका उपभोग करते रहेंगे। संगीत एवं कला आदि के प्रति भी आपके मन में रूचि रहेगी तथा रिक्त समय में इनसे मनोरजंन करेंगे। आप की दूर समीप की यात्राएं होंगी तथा इनसे यथोचित लाभ एवं ख्याति प्राप्त होगी साथ ही अध्ययन में सूचना संबधी लेखों में आपकी रूचि रहेगी। आप स्वयं भी लेखक या संपादक हो सकते है। इसके अतिरिक्त आपकी मित्रता कीर्तिवान, क्षमाशील, सत्यवक्ता तथा उत्तम शील स्वभाव के व्यक्तियों से होगी। साथ ही जीवन में सुखोपभोग करके आप एक आदर्शवादी पुरूष होंगे।

भाव फल

माता, वाहन, भौतिक ऐश्वर्य, जायदाद एवं शिक्षा

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में मीनराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आपको समस्त सांसारिक एवं भौतिक सुखों को प्राप्ति होगी तथा आधुनिक सुख संसाधनों से भी युक्त होंगे एवं आनन्दपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आप एक वैभवशाली व्यक्ति भी होंगे तथा समाज में अपना यथोचित स्तर बनाए रखने में समर्थ होंगे।

आप एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा जीवन में आपको चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आपको किसी श्रेष्ठ या वृद्ध व्यक्ति से वांछित मात्रा में चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति हो सकती हैं। स्वपरिश्रम, बुद्धिमता एवं योग्यता से भी आप इच्छित धन सम्पत्ति अर्जित करेने में समर्थ होंगे। आपको अचल सम्पत्ति की अपेक्षा चल सम्पत्ति से विशिष्ट एवं शीध्र लाभ के योग बनते है। अतः चल सम्पत्ति पर विशेष निवेश करना चाहिए।

जीवन में आपको सुन्दर विस्तृत एवं आकर्षक आवास की प्राप्ति होगी तथा आधुनिक सुख-सुविधाओं एवं भौतिक उपकरणों से यह सुसज्जित रहेगा। इसकी स्वच्छता का आप विशेष ध्यान रखेंगे तथा अन्य पारिवारिक जनों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। आपका घर किसी समृद्ध कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे तथा संबंधों में अनुकूलता रहेगी। इसके अतिरिक्त आप प्रारंभ से ही उत्तम वाहन प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे।

आपकी माताजी शिक्षित, बुद्धिमान एवं सरल स्वभाव की महिला होगी तथा अपनी कर्तव्य परायणता तथा उत्तम कार्य कलापों से सभी सदस्यों को प्रसन्न तथा प्रभावित रखेंगी। परिवार के सभी लोग उन्हें वांछित आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनके मन में विशिष्ट वात्सल्य भाव होगा तथा समय समय पर उनसे आपको वांछित नैतिक, आर्थिक एवं अन्य प्रकार से सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आपकी चहुमुखी उन्नति में उनका विशेष योगदान रहेगा। आपभी माता के प्रति श्रद्धा एवं आज्ञाकारिता का भाव रखेंगे तथा अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इससे आपके परस्पर संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

विद्याध्ययन में प्रारंभ से ही आपकी रूचि रहेगी तथा छोटी कक्षाओं से ही अच्छे अंको से सफलताएं प्राप्त करेंगे। इसी परिपेक्ष्य में आप स्नातक परीक्षा ससम्मान उतीर्ण करेंगे इससे आपके मन में आत्मविश्वास के भाव में वृद्धि होगी तथा उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अग्रसर रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप किसी उच्च तकनीकी या व्यावसायिक पाठ्य क्रम में भी उच्चस्तरीय डिग्री अर्जित करने में समर्थ होंगे।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव फल

बुद्धि, सन्तान एवं प्रणय सम्बन्ध

आपके जन्म समय में पंचमभाव में मेषराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप तीव्र बुद्धि के स्वामी होंगे तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे। आप में शीघ्र एवं अनुकूल निर्णय लेने की शक्ति भी विद्यमान होगी जिससे अवसरानुकूल आप इच्छित लाभ एवं सफलता अर्जित कर सकते है। आप कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान भी शीघ्र एवं आसानी से करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त वैदिक साहित्य धर्म एवं दर्शन के प्रति भी आपकी श्रद्धा एवं रूचि होगी तथा यत्नपूर्वक इनके ज्ञानार्जन में रूचिशील होंगे। आधुनिक विज्ञान, भौतिक विज्ञान गणित या ज्योतिष में भी आपकी प्रबल रूचि होगी एवं परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञानार्जन करेंगे। इस क्षेत्र में आप कुछ नवीन कार्य या सिद्धान्तों का भी प्रतिपादन कर सकते है जिससे आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा लोग एक विद्वान के रूप में आपको सम्मान प्रदान करेंगे।

पंचमभाव में मेष राशि की स्थिति के प्रभाव से प्रेम-प्रसंग में आप भावनात्मक आकर्षण तथा सम्मान का भाव रखेंगे। आपके प्रेम में मर्यादा नैतिकता एवं यथार्थवादी दृष्टिकोण होगा तथा मनोरंजन के लिए ऐसे संबध स्थापित नहीं करेंगे। अतः आपके प्रेम की परिणिति विवाह के रूप में भी हो सकती है।

जीवन में आपको यथोचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा पुत्र संतति अवश्य होगी। आपकी संतति बुद्धिमान प्रतिभाशाली एवं पराक्रमी होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से वे जीवन में लाभ एवं उन्नति के मार्ग प्रशस्त करेंगे। माता-पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण आदर एवं सम्मान का भाव होगा तथा उनकी आज्ञापालन में भी सर्वदा तत्पर होंगे। वे समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में माता-पिता का सहयोग एवं सलाह अवश्य लेंगे। इससे संबधों में मधुरता तथा सदभावना बनी रहेगी। माता की अपेक्षा पिता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान वे पिता के माध्यम से ही करना सुविधाजनक समझेंगे परन्तु आदर दोंनो का समान होगा। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में वे आपकी तन-मन-धन से सेवा करेंगे एवं अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इस प्रकार बच्चों के संदर्भ में आप एक भाग्यशाली व्यक्ति माने जायेंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में आपकी संतति अत्यधिक योग्य एवं प्रतिभाशाली सिद्ध होगी तथा प्रारम्भ से ही इच्छित उन्नति का प्रदर्शन करेंगे जिससे उनका भविष्य उज्जवल होगा। आप भी उनकी शिक्षा के लिए किसी भी प्रकार की कमी नहीं करेंगे तथा अच्छी से अच्छी एवं आधुनिक संस्था में उन्हें शिक्षा प्रदान करायेंगे। इसके अअिरिक्त वे सुन्दर, स्वस्थ, विनम्र स्वभाव सक्रिय एवं निपुण होंगे तथा अपने उत्तम कार्य कलापों से अन्य सामाजिक जनों को प्रभावित तथा प्रसन्न करने में समर्थ होंगे तथा वे भी बच्चोंको वांछित स्नेह एवं प्रोत्साहन देंगे। इससे आपकी भी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी फलतः बच्चों से आप सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव फल

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप का शत्रु या विरोधी पक्ष प्रबल रहेगा इसका मुख्य कारण यह रहेगा कि आप अपनी ही इच्छा से अधिकाशं कार्यो को सम्पन्न करेंगे तथा अन्य जनों की इच्छा या सलाह को कोई महत्व नहीं देंगे। आपका उच्च स्तर, कार्य प्रणाली तथा अन्य प्रकार से खुशहाली आपके शत्रुवर्ग के लिए ईर्ष्या का कारण होगी। साथ ही आपको अपने सम्बन्धियों तथा सहयोगियों से भी समय समय पर विरोध का सामना करना पड़ेगा। आप सामान्यतया दीवानी तथा फौजदारी मुकद्दमों में लिप्त रहेंगे तथा इन पर आप मुक्त भाव से व्यय करेंगे जिससे आपको इनमें सफलता प्राप्त हो सकें। आप एक चतुर चालाक तथा बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा साम दाम दण्ड भेद से किस प्रकार से कार्य सिद्ध किया जाता है इसके विषय में आपको पूर्ण ज्ञान रहेगा। इस प्रकार अपनी इस कार्य प्रणाली से आप शत्रु वर्ग तथा मुकद्दमे बाजी में विजय प्राप्त कर सकेंगे।

आपको सेवक वर्ग की सामान्यतया अत्यधिक आवश्यकता रहेगी आप एक व्यस्त व्यक्ति होंगे तथा अपने समस्त कार्यो को सम्पन्न करने में असमर्थ रहेंगे अतः नौकरों की नियुक्ति आपके लिए आवश्यक कार्य होगा लेकिन यदा कदा सेवक वर्ग आपके गुप्त रहस्यों को उजागर करेंगे फलतः समाज में आपके मान सम्मान में न्यूनता रहेगी। साथ ही वे चोरी आदि से भी हानि प्रदान कर सकते है अतः इनके चुनाव में सावधानी का परिचय दें।

आपके पास आराम दायक जीवन व्यतीत करने के लिए पर्याप्त मात्रा में धन रहेगा लेकिन अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए आपका अनावश्यक व्यय भी होगा जिससे ऋण आदि के भार से दब सकते है। आप एक सम्मानीय परिवार के सदस्य होंगे तथा आपके मामा मामियों का स्तर भी उच्च रहेगा। यद्यपि वे आपको पसंद करेंगे परन्तु आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्रदान कम ही करेंगे तथा आपकी कार्य प्रणाली से भी वे सन्तुष्ट नहीं रहेंगे लेकिन अत्यधिक आवश्यकता के समय वे आपको अपना सहयोग प्रदान कर सकते हैं। साथ ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए खान पान का पूर्ण ध्यान रखें तथा अनावश्यक रूप से भोजन में अनियमिता न रखें नहीं तो प्रौढ़ावस्था में आप किंचित परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं।

भाव फल

दम्पति, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है सामान्यतया मिथुन राशि के प्रभाव से जातक का सहयोगी सुशील विनम्र कलाप्रेमी तथा हास्य प्रिय प्रवृति का व्यक्ति होता है। बृहस्पति के प्रभाव से वह विद्वान साहित्य प्रेमी उत्तम कार्यो को करने वाला तथा चतुर होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी सुशील एवं विनम्र स्वभाव की महिला होंगी तथा सांसारिक कार्यो को करने में दक्ष रहेंगी। उनकी वाणी मधुर होगी तथा उच्च कोटि के साहित्य के प्रति अध्ययन की रूचि होगी। वह हास्य युक्त प्रवृति की भी महिला होंगी जिससे सभी लोग उनके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे। बृहस्पति के प्रभाव से उनमें कर्तव्य परायणता का भाव भी विद्यमान होगा तथा समाज एवं परिवार के प्रति ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगी।

आपकी पत्नी सुंदर आकर्षक एवं गौर वर्ण की महिला होंगी तथा उनका कद भी उन्नत होगा। शारीरिक संरचना उनकी दर्शनीय होगी तथा शरीर के सभी अंग पुष्ट एवं सुडौल होंगे जिससे उनके सौन्दर्य एवं व्यक्तित्व में निखार आएगा। बृहस्पति के प्रभाव से आयु के साथ साथ शरीर में स्थूलता भी आ सकती है। सौन्दर्य में वृद्धि के लिए वह आधुनिक सौन्दर्य प्रसाधनों का भी प्रयोग करेंगी। इसके अतिरिक्त कला के प्रति उनका प्रबल आकर्षण होगा।

आपका विवाह किसी परिवार के श्रेष्ठ व्यक्ति के माध्यम से सम्पन्न होगा। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा आपस में एक दूसरे के प्रति प्रबल आकर्षण एवं प्रेम की भावना होगी। आप दोनों शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे तथा जीवन के मूल्यों तथा सिद्धांतों में समानता रहेगी जिससे आप प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। सांसारिक महत्व के कार्यो को आपसी सहयोग एवं सहमति से पूर्ण करेंगे। इससे संबधों में मधुरता रहेगी तथा जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका विवाह किसी प्रतिष्ठित परिवार में सम्पन्न होगा तथा समाज में वे आदरणीय होंगे। विवाह के बाद आपके सास ससुर से मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप जीवन में नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उन्हें पितृवत सम्मान प्रदान करेंगे तथा महत्वपूर्ण कार्यो में उनकी सलाह एवं सहमति अवश्य लेंगे।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी की सेवा एवं श्रद्धा की भावना होगी तथा सुख दुख में उनकी यथोचित देखभाल करेंगी। देवर एवं ननद भी उनके सदव्यवहार तथा मधुरवाणी से प्रभावित होंगे एवं उन्हें यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे। इससे परिवार में शांति बनी रहेगी।

व्यापार या महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति शुभ रहेगी तथा इससे आपको यथोचित लाभ होगा एवं आपस में विश्वसनीयता भी बनी रहेगी यदि अपनी आयु से अधिक आयु के व्यक्ति से साझेदारी की जाए तो उसमें इच्छित लाभ एवं उन्नति होगी।

Future Point Future Point Future Point

भाव फल

दहेज, बीमा आयु एवं दुर्घटना

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आपके पास आध्यात्म या ज्यौतिष के ज्ञान संबन्धी प्रतिभा जन्म से ही रहेगी तथा इनके प्रति आपकी पूर्ण श्रद्धा रहेगी साथ ही परिश्रम पूर्वक इसका ज्ञान अर्जित करके इस क्षेत्र में सम्मान एवं ख्याति अर्जित करेंगे। आप स्वाभाविक रूप से अन्तर्प्रज्ञा शक्ति की प्रबलता से युक्त रहेगे। आपके पूर्वाभास तथा भविष्य वाणियां सामान्यतया सत्य ही सिद्ध होगी। साथ ही इस विद्याओं के द्वारा अपनी परेशानियों में भी न्यूनता करने में समर्थ रहेंगे तथा इन शास्त्रों में इच्छुक व्यक्तियों को अपना मित्र बनाएंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक दृष्टि से भी आप जीवन में इसका उपयोग कर सकते हैं।

आपको पैतृक सम्पत्ति प्राप्त होगी तथा इसके द्वारा आप धनऐश्वर्य से युक्त होकर आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। प्रौढ़ावस्था में आपको और अधिक चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। मित्रों के द्वारा भी कुछ लाभ होने की संभावना रहेगी। शादी के समय में आप प्रचुर मात्रा में दहेज प्राप्त करेंगे जो धन आभूषण वाहन तथा आधुनिक घरेलू सामान के रूप में होगा। यदि आप चाहे तो इसी धन से आराम से अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं। बीमा कराने में आप शीघ्रता करेंगे क्योंकि आप सर्वप्रथम किसी भी वस्तु की पूर्ण सुरक्षा चाहते है तथा अनावश्यक हानि न हो इसका प्रबन्ध पहले ही कर देते हैं। आप को जीवन में चोरी या डकैती का सामना कम ही करना पड़ेगा तथा ऐसी घटनाएं होगी भी तो उससे कोई हानि नहीं होगी। आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Future Point Future Point Future Point

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव फल

सौभाग्य, प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आपकी ईश्वर के प्रति पूर्ण आस्था रहेगी तथा अपने धर्म का श्रद्धा पूर्वक अनुपालन करेंगे। साथ ही पारिवारिक परम्परानुसार धर्म का आचरण करेंगे। आपकी बुद्धि अत्यन्त ही तीव्र होगी तथा नेतृत्व के गुणों से सुसम्पन्न रहेंगे। साथ ही आपकी प्रवृति स्वतंत्र होगी तथा धर्म गुरूओं का आप आदर करेंगे तथा उनका अनुसरण भी करेंगे। अध्ययन के क्षेत्र में भी आप विशिष्ट सफलता अर्जित करेंगे तथा प्रसिद्ध धार्मिक तथा तीर्थ स्थानों की समय समय पर यात्रा करते रहेंगे। लेकिन आप मुख्य रूप से अपने धर्म से संबधित तीर्थ स्थान की यात्रा करने के ही विशेष इच्छुक रहेंगे। ध्यान एवं योगिक क्रियाओं को भी समय समय पर करते रहेंगे तथा अध्यात्म के द्वारा अपनी अर्न्तप्रज्ञा शक्ति में वृद्धि करेंगे। साथ ही भविष्य वाणियां करने में भी समर्थ रहेंगे जिससे क्षेत्रीय या राष्टीय स्तर पर आपको सम्मान मिल सकता है।

आप समाज से अपने आपको एक दम जुडे हुए लगते हैं। आप स्वतंत्रता प्रिय व्यक्ति होंगे तथा किसी अन्य के साथ या नियंत्रण में आपको कार्य करना अच्छा नहीं लगेगा इससे यदा कदा आपको अन्य जनों की आलोचना का भी सामना करना पड़ सकता है लेकिन सामजिक जीवन में सफल रहेंगे तथा लोग आपकी आज्ञा का पालन करेंगे। धार्मिक एवं व्यवसाय संबधी कार्यो के लिए आपकी लम्बी दूरी की यात्राएं हो सकती है तथा इनसे आपको मान सम्मान ख्याति एवं धन ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी । आप प्राणिमात्र के लिए कई लेख लिखकर तथा उनकी सेवा एवं सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। पौत्रों से आपको इच्छित सहयोग एवं आनन्द की प्राप्ति होगी। वास्तव में आप अपने पूर्वजन्म के कार्यो से ही इस जीवन में सुखऐश्वर्य अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव फल

पिता, व्यवसाय एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्म समय में दशमभाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। कन्या राशि पृथ्वी तत्व प्रधान है अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र श्रमसाध्य होगा परन्तु बौद्धिक एवं मानसिक क्रियाओं की भी इसमें प्रबलता रहेगी आप स्वतंत्र कार्य या व्यवसाय के इच्छुक भी होंगे एवं परिश्रम पूर्वक कार्यक्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

आजीविका की दृष्टि से आप लिपिकीय कार्य, लेखक, कवि, चित्रकार, वास्तुकार, ज्यौतिषी, जिल्दसाज, शिक्षक, पुस्तक लेखक, यंत्र निर्माण कर्ता, संशोधक, अनुवादक, वकील, दूतकार्य, टेलीफोन आपरेटर या दूरभाष विभाग तथा राजनीति में किसी उच्चाधिकार प्राप्त व्यक्ति के व्यक्तिगत सहायक के रूप में वांछित उन्नति सफलता एवं प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना नहीं करना पड़ेगा अतः आपको उपरोक्त विभागों एवं क्षेत्रों में ही उज्जवल भविष्य के लिए अपनी आजीविका का चयन करना चाहिए।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए एजेंसी दलाली पुस्तक विक्रय या प्रकाशन कार्य, अगरबत्ती पुष्पमालाएं, कागज के खिलौने कलात्मक वस्तुएं या वास्तुकला, वकालत, लेखाकार आदि के स्वतंत्र व्यवसाय एवं कार्यो से आप को इच्छित धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे अतः उपरोक्त क्षेत्रों में ही अपना कार्य या व्यापार प्रारंभ करें।

जीवन में आपको मान प्रतिष्ठा तथा सम्मान की प्राप्ति होगी तथा किसी उच्चाधिकार प्राप्त पद को अर्जित करने में भी समर्थ होंगे जिससे आपके समाज में प्रभाव में वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपको वांछित सम्मान एवं आदर प्रदान करेंगे। आप किसी सामाजिक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संस्था में किसी सम्मानीय पदाधिकारी या सदस्य के रूप में मनोनीत होंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस प्रकार अपनी अर्जित उपलब्धियों से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

आपके पिता बुद्धिमान शिक्षित एवं प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा समाज में सभी लोग उन्हें यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण अपनत्व एवं वात्सल्य का भाव होगा तथा आपकी उच्चशिक्षा के लिए सदैव तत्पर होंगे। आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति एवं सफलता में उनका विशेष योगदान रहेगा तथा आप भी अपने परिश्रम ईमानदारी एवं योग्यता से पिता की प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगे। आपके परस्पर संबधों में भी मधुरता होगी तथा सैद्धान्तिक एवं वैचारिक समानता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को एक दूसरे की सलाह तथा सहयोग से सम्पन्न करेंगे।

भाव फल

लाभ, मित्र, समाज, ज्येष्ठ भ्राता एवं आकांक्षाएं

आपके जन्म समय मैं एकादश भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप एक दूरदर्शी व्यावहारिक तथा न्यायप्रिय व्यक्ति होंगे तथा अपने इन्हीं गुणों के साथ साथ अपने पराक्रम एवं योग्यता से अपने जीवन की अधिकांश आकाक्षांओं तथा उमंगों को पूर्ण करने में समर्थ रहेंगे। धन धान्य एवं भौतिक सुख साधनों से आप हमेशा सुसम्पन्न रहेंगे। साथ ही जीवन में पत्नी या किसी अन्य स्त्री के सहयोग से वांछित धनार्जन करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही विलासमय वस्तुओं के क्रय विक्रय, इलक्ट्रोनिक्स उपकरण तथा कम्प्यूटर आदि के क्षेत्र में भी आपको आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस प्रकार आजीवन आपकी आर्थिक स्थिति सामान्यतया सुदृढ़ ही रहेगी।

आपको बड़ी बहनों से जीवन में वाँछित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही वे आपको पूर्ण अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगी। वे आपको समय समय पर आर्थिक तथा अन्य क्षेत्र में भी सहायता देंगी तथा आप भी उनका पूर्ण सम्मान करेंगे एवं अवसरनुकूल उनकी इच्छा के अनुसार ही सामान्य कार्य सम्पन्न करेंगे। आप मित्रता प्रिय व्यक्ति होंगे अतः आपके मित्रता का क्षेत्र विस्तृत रहेगा। मित्र मंडल में आप आदरणीय रहेंगे सभी मित्रजन आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। आपको एकांत पसन्द नहीं रहता तथा किसी न किसी मित्र की आवश्यकता हमेशा रहती है। इसके अतिरिक्त आप स्वयं भी ईमानदार एवं उदार व्यक्ति होंगे तथा समाज से आपको पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा एवं प्रौढ़ावस्था में किसी विशिष्ट सम्मान की प्राप्ति भी हो सकती है। साथ ही समाज एवं पड़ौसियों की सेवा एवं सहायता करने के लिए भी आप सदैव तत्पर रहेंगे। अतः सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

भाव फल

हानि, बन्धन, कर्ज, आवास परिवर्तन एवं मोक्ष

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। इसके प्रभाव से आप भौतिक वादी पुरूष होंगे तथा धनार्जन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपका स्वभाव अन्य जनों के परोपकार के लिए भी व्यय करने का रहेगा। अतः आपको अधिक धन की समय समय पर आवश्यकता पड़ेगी लेकिन अपनी योग्यता तथा पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आप हमेशा धनवान एवं ऐश्वर्यशाली होने के इच्छुक रहेंगे साथ ही आर्थिक सुरक्षा के भी इच्छुक होंगे तथा इसमें सफल रहेंगे ।

आपका मुख्य रूप से व्यय, दया दान एवं मित्रों तथा बन्धुवर्ग पर रहेगा। आपको इसका जब भी अवसर मिलेगा प्रचुर मात्रा में व्यय करेंगे। साथ ही भौतिक साज समान पर भी व्यय होगा लेकिन कभी कभी आपको ऐसे मामलों में सावधान भी रहना चाहिए क्योंकि आपकी प्रवृति को देखते हुए लोग आपसे झूठ मूठ धन भी ऐंठ सकते है।

आप दूर समीप की यात्रा के शौकीन रहेंगे तथा इनसे आपको नवीन ज्ञान की प्राप्ति होगी तथा अन्य नई चीजों को भी आप सीखेंगे। अतः यात्रा से आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। साथ ही युवावस्था में आप कई साहसिक कार्यो को भी सम्पन्न करेंगे। आप किसी नये सिद्धांत को भी प्रतिपादित कर सकते है। आपकी देश की यात्राओं के अतिरिक्त विदेश संबधी कोई यात्रा भी होगी यह कार्यवश या स्वास्थ्य के कारण भी हो सकती है। इसके साथ ही बाएं आंख में भी कोई परेशानी रहेगी या किसी चोट आदि का होगा। लेकिन सामान्य रूप से आप सुख पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

फलादेश - 2013

गोचरवश इस वर्ष में बृहस्पति दशम भाव में भ्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए काफी महत्वपूर्ण रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से भी आपके मधुर सम्बन्ध बनेंगे। फलतः इनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपको राज्यस्तर पर किसी सम्मान से सम्मानित भी किया जा सकता हैं। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा तथा सभी लोग प्रेमपूर्वक रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा एवं आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। लेकिन इस समय विश्राम का अभाव रहेगा तथा सांसारिक कार्यों को संपन्न करने में आप तत्पर रहेंगे। इस समय अन्य लोगो से आपको शालीनता का व्यवहार भी करना चाहिए। इसके अतिरिक्त गोचरफल अशुभ परन्तु दशा शुभ फल प्रदान करेगी अतः यह वर्ष सामान्यतया शुभ रहेगा।

इस वर्ष में शनि गोचर वश द्वितीय भाव में स्थित रहेगा। अतः इसके प्रभाव से पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि मध्यम रहेगी परन्तु पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे। भौतिक एवं आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। मानसिक रूप से भी आप शान्त रहेंगे एवं शान्ति पूर्वक सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय विरोधी के निर्बल होने के कारण व्यापार या नौकरी आदि में आप इच्छित उन्नति एवं सफलता भी प्राप्त कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशा सामान्य रहेगी। साथ ही शनि की साढ़ेसाती का अन्तिम दशा का भी प्रभाव रहेगा जिससे यदा कदा आपको उन्नति में व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु इनका आप पराक्रम एवं परिश्रम से समाधान करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही शनि के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन करना चाहिए तथा शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए इससे आपके शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

इस वर्ष में राहु की स्थिति गोचर वश द्वितीय तथा केतु की अष्टम भाव में रहेगी। इसके प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक उद्विग्नता भी उत्पन्न होगी। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी सामान्य ही रहेगी परन्तु पारिवारिक जनों के परस्पर संबंधों में यदा कदा मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा न्यूनाधिक सफलता भी आपको प्राप्त होगी। साथ ही आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी तथा आवश्यक

Future Point Future Point Future Point

धनार्जन होता रहेगा परन्तु व्यय भी अधिक होगा लेकिन इसका दुष्प्रभाव अल्प रहेगा। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आप जायदाद संबंधी लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं ।

इस समय आपके लिए अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी अतः कार्य क्षेत्र की उन्नति में समस्याएं आएंगी परन्तु आप अपने पराक्रम एवं परिश्रम से उनका समाधान करने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही अधिक मात्रा में शुभ फल की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से राहु एवं केतु का पूजन जप तथा दानादि कार्य करने चाहिए।

Future Point Future Point Future Point

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2014

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति एकादश भाव में संक्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय आपके नवीन आय साधनों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी अतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी आपको वांछित उन्नति तथा सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति आदि में पदोन्नति की भी संभावना रहेगी। ज्योतिष शास्त्र में आप इस समय पूर्ण श्रद्धा व्यक्त करेंगे तथा व्यस्तता के उपरान्त भी मानसिक प्रसन्नता एवं संतुष्टि से युक्त रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में भी इस वर्ष आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि फैलेगी। जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। साथ ही आय गोचर तथा दशाफल भी इस समय शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आप का अत्यन्त ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

इस वर्ष में शनि गोचर वश द्वितीय भाव में स्थित रहेगा। अतः इसके प्रभाव से पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि मध्यम रहेगी परन्तु पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे। भौतिक एवं आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। मानसिक रूप से भी आप शान्त रहेंगे एवं शान्ति पूर्वक सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय विरोधी के निर्बल होने के कारण व्यापार या नौकरी आदि में आप इच्छित उन्नति एवं सफलता भी प्राप्त कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशा सामान्य रहेगी। साथ ही शनि की साढ़ेसाती का अन्तिम दशा का भी प्रभाव रहेगा जिससे यदा कदा आपको उन्नति में व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु इनका आप पराक्रम एवं परिश्रम से समाधान करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही शनि के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन करना चाहिए तथा शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए इससे आपके शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

इस वर्ष में राहु की स्थिति गोचर वश द्वितीय तथा केतु की अष्टम भाव में रहेगी। इसके प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक उद्विग्नता भी उत्पन्न होगी। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी सामान्य ही रहेगी परन्तु पारिवारिक जनों के परस्पर संबंधों में यदा कदा मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा न्यूनाधिक सफलता भी आपको प्राप्त होगी। साथ ही आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी तथा आवश्यक धनार्जन होता रहेगा परन्तु व्यय भी अधिक होगा लेकिन इसका दुष्प्रभाव अल्प रहेगा। इसके

अतिरिक्त इस वर्ष में आप जायदाद संबंधी लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं ।

इस समय आपके लिए अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी अतः कार्य क्षेत्र की उन्नति में समस्याएं आएंगी परन्तु आप अपने पराक्रम एवं परिश्रम से उनका समाधान करने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही अधिक मात्रा में शुभ फल की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से राहु एवं केतु का पूजन जप तथा दानादि कार्य करने चाहिए।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2015

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति एकादश भाव में संक्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय आपके नवीन आय साधनों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी अतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी आपको वांछित उन्नति तथा सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति आदि में पदोन्नति की भी संभावना रहेगी। ज्योतिष शास्त्र में आप इस समय पूर्ण श्रद्धा व्यक्त करेंगे तथा व्यस्तता के उपरान्त भी मानसिक प्रसन्नता एवं संतुष्टि से युक्त रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में भी इस वर्ष आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि फैलेगी। जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। साथ ही आय गोचर तथा दशाफल भी इस समय शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आप का अत्यन्त ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

इस वर्ष में तृतीय भाव में गोचर वश शनि भ्रमण करेगा। यह समय आपके लिए शुभ फल दायक समझा जाएगा। इस समय आपके लिए सभी रुके हुए महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण करेंगे। साथ ही आर्थिक एवं व्यापारिक स्थिति में भी उन्नति होगी जिससे आप उचित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इसवर्ष में आपकी लम्बी दूरी की लाभदायक यात्राएं सम्पन्न होंगी तथा उनसे आप मनोवांछित लाभ एवं सम्मान प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए भी समय शुभ रहेगा तथा इस समय आपकी पदोन्नति की प्रबल संभावनाएँ बनेंगी। साथ ही इस वर्ष गोचरफल की भी प्रतिकूलता रहेगी परन्तु दशा फल शुभ रहेगा अतः यदा कदा उपर्युक्त शुभ फलों में आपको न्यूनता का आभास होगा तथापि आपका सामान्य समय इस वर्ष अच्छा ही व्यतीत होगा एवं सुखपूर्वक आप अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगे।

इस वर्ष राहु की स्थिति राशि तथा केतु की सप्तम भाव में गोचर वश रहेगी। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा साथ ही मानसिक रूप से भी यदा कदा आपको परेशानी रहेगी। पति पत्नी के संबंध सामान्य ही रहेंगे तथापि यदा कदा इसमें मतभेद हो सकते हैं लेकिन इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। आर्थिक स्थिति इस वर्ष सामान्य रहेगी तथा परिश्रम एवं पराक्रम के द्वारा आप आवश्यक मात्रा में धन अर्जित करेंगे लेकिन व्यय की भी अधिकता रहेगी। कार्य क्षेत्र की उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा परिश्रम से ही आप उन्नति मार्ग प्रशस्त कर सकेंगे। इस समय आपके पुराने सम्पर्कों में कमी होगी तथा नवीन सम्पर्क स्थापित होंगे जिससे भविष्य में आपको न्यूनाधिक सफलता प्राप्त हो सकती है।

इसके साथ ही अन्य गोचर फल अनुकूल परन्तु दशा फल मध्यम रहेगा। अतः

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा। अतः अशुभ फलों में न्यूनता तथा शुभ फलों में वृद्धि के लिए आपको नियमित रूप से राहु केतु का पूजन, जप एवं दान करने चाहिए।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2016

इस वर्ष में गोचर वश बृहस्पति द्वादश भाव में भ्रमण करेगा अतः इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा परन्तु मानसिक रूप से यदा कदा आप उद्विग्नता की अनुभूति कर सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अच्छा रहेगा परन्तु व्यय की अधिकता रहेगी। इस वर्ष में आप किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय कर सकते है। कार्य क्षेत्र के लिए वर्ष परिश्रमशील रहेगा परन्तु उन्नति एवं सफलताएं प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। इस समय आपकी दूर समीप की कोई यात्रा भी होगी यद्यपि इसमें व्यय अधिक होगा परन्तु भविष्य के लिए लाभ दायक सम्पर्क बनेंगे जिससे लाभ एवं सम्मान की प्राप्ति होगी।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल अनुकूल रहेंगे जिससे आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में परिश्रम एवं पराक्रम से सफलता मिलती रहेगी तथा व्यय के साथ साथ उचित धनार्जन भी होगा अतः आप किंचित शान्ति की अनुभूति अवश्य करेंगे।

इस वर्ष में शनि तृतीय भाव में परिभ्रमण करेगा अतः यह समय आपके लिए अत्यन्त ही शुभ रहेगा। इस समय आपको समस्त रूके हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी तथा व्यापारिक एवं आर्थिक क्षेत्र में उन्नति कारक परिवर्तन होगा। इस वर्ष में आपकी लम्बी दूरी के शुभ एवं महत्वपूर्ण यात्रा भी सम्पन्न होगी। जिससे आपको वर्तमान तथा भविष्य में आशातीत लाभ तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति पथ पर अग्रसर होंगे एवं किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल भी आपके लिए शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा तथा धन ऐश्वर्य एवं समृद्धि को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे।

इस वर्ष में गोचरवश राहु की स्थिति द्वादश भाव में तथा केतु की स्थिति षष्ठ भाव में रहेगी अतः यह वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आपकी लम्बी दूरी की यात्रा होगी या कोई विदेश यात्रा भी हो सकती है। इस समय आप यात्राओं में अधिक व्यय करेंगे साथ ही मनोरंजन आदि में आप अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगे। आर्थिक स्थति भी इस वर्ष आपकी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। केतु के प्रभाव से आप शत्रु पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। समाज में सभी लोग आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। जिससे आपकी में प्रतिष्ठा बढेगी कार्यक्षेत्र में भी इस समय उन्नतिशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त गोचर तथा दशा इस समय शुभ रहेगी। अतः समय अच्छा ही रहेगा।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2017

इस वर्ष गोचरवश बृहस्पति प्रथम भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से इस समय आपके मानसिक शारीरिक एवं सामाजिक धरातल में महत्वपूर्ण परिवर्तन होंगे तथा कार्यक्षेत्र में आपको विशिष्ट उन्नति प्राप्त होगी। इस वर्ष में अविवाहितों के लिए विवाह का योग बनेगा। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथाधार्मिक कार्य कलपों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक दृष्टि भी सुदृढ होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होकर प्रचुर मात्रा में धन लाभ होगा। आपके विगत रुके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे। इस समय आप अपने को अनुभवी व्यक्ति समझेंगे परन्तु विश्राम का अभाव रहेगा तथा कार्य करने में आप तत्पर रहेंगे। साथ ही आय गोचरफल तथा दशा फल भी शुभ रहेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

इस वर्ष में शनि तृतीय भाव में परिभ्रमण करेगा अतः यह समय आपके लिए अत्यन्त ही शुभ रहेगा। इस समय आपको समस्त रूके हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी तथा व्यापारिक एवं आर्थिक क्षेत्र में उन्नति कारक परिवर्तन होगा। इस वर्ष में आपकी लम्बी दूरी के शुभ एवं महत्वपूर्ण यात्रा भी सम्पन्न होगी। जिससे आपको वर्तमान तथा भविष्य में आशातीत लाभ तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति पथ पर अग्रसर होंगे एवं किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल भी आपके लिए शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा तथा धन ऐश्वर्य एवं समृद्धि को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे।

इस वर्ष में गोचरवश राहु की स्थिति द्वादश भाव में तथा केतु की स्थिति षष्ठ भाव में रहेगी अतः यह वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आपकी लम्बी दूरी की यात्रा होगी या कोई विदेश यात्रा भी हो सकती है। इस समय आप यात्राओं में अधिक व्यय करेंगे साथ ही मनोरंजन आदि में आप अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगे। आर्थिक स्थति भी इस वर्ष आपकी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। केतु के प्रभाव से आप शत्रु पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। समाज में सभी लोग आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। जिससे आपकी में प्रतिष्ठा बढेगी कार्यक्षेत्र में भी इस समय उन्नतिशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त गोचर तथा दशा इस समय शुभ रहेगी। अतः समय अच्छा ही रहेगा।

दशा विश्लेषण

महादशा :- राहु

(22/08/2006 - 22/08/2024)

राहु की महादशा 22/08/2006 को आरम्भ और 22/08/2024 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में राहु द्वितीय भाव में बुध की राशि में स्थित है। इस स्थान से राहु की दृष्टि अष्टम भाव पर है। इसके पूर्व आपकी 7 वर्ष की मंगल दशा चल रही थी। आपकी यात्रा तथा व्यय और साझेदारों से लाभ होगा। राहु की इस दशा के दौरान आपको सम्पत्ति का लाभ, उत्तम शिक्षा और सरकार से संभावित आर्थिक लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य : इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप शक्तिशाली और ऊर्जावान् होंगे। किन्तु मौसम में परिवर्तन के कारण गले का रोग, वाइरल बुखार, स्नायविक–दुर्बलता, चर्मरोग आदि मामूली रोग हो सकते हैं। कुछ सतर्कता बरत कर इनमें से कुछ से बचाव किया जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय : आपकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त मजबूत होगी। आपको पैतृक सम्पत्ति और उपहार में धन की प्राप्ति होगी। सट्टे तथा निवेश में लाभ हो सकता है। जीविका तथा व्यवसाय के लिए वायुयान–संचालन, अन्तरिक्ष अनुसन्धान, शिक्षण, ट्रैवेल एजेण्ट, वायुसैनिक, लेखा–कार्य, कम्प्यूटर–विज्ञान, प्रकाशन आदि के क्षेत्र का चयन कर सकते हैं। कपड़ा, रत्न, चमड़ा, आयात–निर्यात, कागज, टेलीफोन, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को सफलता, पदोन्नति, उच्च सम्मान और आय में वृद्धि होगी। आपको सहकर्मियों का सहयोग और उच्चाधिकारियों की शुभकामना प्राप्त होगी। व्यापार व्यवसाय से जुड़े लोगों को उपार्जन तथा लाभ में वृद्धि, व्यापार में विस्तार और सम्पत्ति की अचानक बाढ़ आएगी। आर्थिक खुशहाली के लिए यह दशा अत्यन्त उत्तम है और अप्रत्याशित प्रगति की सम्भावना है।

वाहन, यात्रा जायदाद : इस दशा के दौरान आपका जीवन सुखमय रहेगा। आपको वाहन की प्राप्ति होगी। जायदाद के लिये भी यह दशा उत्तम है। जमीन–जायदाद में वृद्धि की संभावना है। आपका एक आरामदायक मकान होगा। चन्द्र की महादशा में आपकी छोटी यात्रा और मंगल की महादशा में लम्बी यात्रा होगी। मामूली नुकसान से बचाव के लिये सावधानी बरतें।

शिक्षा : इस दशा के दौरान आपकी उत्तम तकनीकी शिक्षा होगी। आप परीक्षा तथा प्रतियोगिता में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे। विज्ञान, इन्जीनियरिंग, लेखा–कार्य, वाणिज्य, लेखन, समाचार माध्यम आदि में आपकी रुचि होगी। आप तेज हैं तथा बौद्धिक गतिविधि से सम्बन्धित सभी विषयों में अच्छा करेंगे।

परिवार : परिवार के साथ आपका संबंध मधुर रहेगा। आप यदा–कदा परिवार से दूर रहेंगे। आपके बच्चे अच्छा करेंगे और आपको उनसे सुख मिलेगा। आपके जीवनसाथी को अचानक धन मिलेगा, हालाँकि कुछ स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या और परिवर्तन हो सकता है। आपकी माता को समृद्धि और सम्पत्ति मिलेगी तथा उनके मित्र प्रभावशाली होंगे जबकि आपके पिता को आदर, सम्पत्ति तथा

विरोधियों पर विजय मिलेगी। आपके छोटे भाई–बहनों को कुछ स्वास्थ्य समस्या होगी, व्यय होगा और विरोधियों तथा प्रतिद्वन्द्वियों के कारण निराशा मिलेगी। आपके बड़े भाई–बहनों को अचल सम्पत्ति, आवास में परिवर्तन तथा जीवन का सुख मिलेगा। इस दशा के दौरान आपको विभिन्न स्रोतों से धन की प्राप्ति तथा जीवन का सुख मिलेगा।

अन्तर्दशा : राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा में आपको सम्पत्ति और सुख की प्राप्ति होगी। गुरु की अंतरदशा में लाभ होगा और मामूली स्वास्थ्य समस्या होगी। शनि की अन्तर्दशा के दौरान यश, ख्याति, सफलता, सम्पत्ति आदि की प्राप्ति और यात्रा होगी। बुध की अन्तर्दशा में शिक्षा, परिवार में सुख और लाभ मिलेगा। शुक्र की अन्तर्दशा में यश, ख्याति, सम्पत्ति और सौभाग्य की प्राप्ति होगी जबकि उसके बाद शुरू होने वाली सूर्य की अन्तर्दशा के दौरान जमीन जायदाद में वृद्धि और माता से सुख मिलेगा। चन्द्र की अन्तर्दशा में आपकी छोटी यात्रा होगी और भाई–बहनों से सुख मिलेगा जबकि मंगल की अन्तर्दशा के दौरान व्यय, कुछ स्वास्थ्य समस्या और यात्रा होगी।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - शनि

(28/09/2011 - 04/08/2014)

शनि आपकी जन्मपत्री में लग्न में स्थित है। लग्न शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रुपरेखा आदि का परिचायक है।

शनि को अशुभ ग्रह समझा जाता है। लग्न में स्थित होकर शनि आपकी कुंडली के 3, 7, 10 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप अधार्मिक विचारों के हो सकते हैं। स्वास्थ्य निर्बल हो सकता है; वायु से संबंधित व्याधियों से बचाव करना श्रेयस्कर रहेगा। उच्चाधिकारी आपसे रुष्ट हो सकते हैं, पद की हानि संभव है। प्रत्येक कदम सावधानी से रखना आवश्यक है।

अरिष्ट से बचाव के लिए :

- मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं
- पीपल की जड़ में जल अर्पित करें
- भोजन की पहली रोटी गाय को दें

Future Point Future Point Future Point

Future Point Future Point Future Point

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - बुध

(04/08/2014 - 20/02/2017)

बुध आपकी जन्मपत्री में नवम भाव में स्थित है। नवम भाव श्रद्धा, भाग्य, धार्मिक और आध्यात्मिक विचार, अंतर्ज्ञान, भविष्यज्ञान, उपासनास्थल, पिता, धर्मगुरु, लंबी यात्राएं, हवाई यात्रा, उच्च शिक्षा और घुटनों का प्रतिनिधि है। नवम भाव में स्थित होकर बुध कुंडली के तृतीय भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसे अपने कारकत्व से प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप विद्वान बनेंगे, विज्ञानादि विभिन्न विषयों का ज्ञान अर्जित कर सकते हैं। विभिन्न नगरों में व्याख्यान दे सकते हैं। पिता और गुरु से संबंध मधुर रहेंगे।

शुभत्व में वृद्धि और अरिष्ट से बचाव के लिए बुध के तांत्रिक मंत्र के 36000 जाप करें।

Future Point Future Point Future Point

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - केतु

(20/02/2017 - 11/03/2018)

आरम्भ और ढडक्ज्वझञ अष्टम भाव में स्थित है। अष्टम भाव आयु, विरासत, दुर्घटना, दुर्भाग्य, दुख, चिंता, निराशा, हानि, बाधा, चोरी और डकैती का प्रतिनिधि है। अष्टम भाव में स्थित होकर केतु आपकी कुंडली के द्वितीय भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

राहु और केतु छाया ग्रह हैं। इनकी स्वयं की कोई राशि नहीं होती। सामान्यतः इन्हें अशुभ समझा जाता है परंतु वास्तव में ये शुभ या अशुभ, कुंडली में अपनी स्थिति के अनुसार होते हैं।

इस अवधि में आपको अपनी गलतियों के कारण कोई व्याधि हो सकती है। आपकी जर, जोरु, जमीन में रुचि अधिक रहेगी। आप इनके पीछे भागेंगे, जिस कारण उत्सर्जन तंत्र का कोई रोग हो सकता है। प्रत्येक कदम उठाने से पहले सावधान रहना आवश्यक है ताकि किसी बात की अति न हो।

अरिष्ट से बचाव के लिए केतु के तांत्रिक मंत्र के 72,000 जाप करें।

Future Point Future Point Future Point

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

योग

वाशि योग

सूर्याद्व्ययगैर्वाशिर्द्वितीयगैश्चन्द्रवर्जितैर्वेशि।
उत्कृष्टवचाः स्मृतिमानुद्योगयुतो निरीक्षते तिर्यक्।
सर्वशरीरे पृथुलो नृपतिसमः सात्त्विको वाशौ।।
।। सारावली ।। अ.14/श्लोक 1, 6।।

वाशि योग

यदि जन्मकुंडली में सूर्य से द्वादश स्थान में चंद्रमा को छोड़कर अन्य ग्रह विद्यमान हो तो वाशि नामक योग बनता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र,केतु,सूर्य,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप उत्कृष्ट वाणी वाले, स्मरण शक्ति वाले, उद्यमी, तिरछी दृष्टि वाले, स्थूल शरीर वाले, राजा के समान व्यक्तित्व वाले तथा सात्विक प्रवृत्ति वाले होंगे।

चक्रवर्ती राजयोग

एकोऽपि विहगः कुर्यात्पंचमांशगतो नृपम्।
समस्तबलसम्पन्नश्चक्रवर्तिनमेव च ।।
।। सारावली ।। अ. 35 /श्लोक 64।।

चक्रवर्ती राजयोग

यदि कोई भी ग्रह कुण्डली में अपने पंचमांश में स्थित हो तो जातक राजा होता है और यदि पूर्णबली हो तो चक्रवर्त्ती राजा होता है।

योग कारक ग्रह : मंग,शुक्र,केतु,
योग की संभावना : 2में 1

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण प्रतिष्ठत हो रहा है। फलस्वरूप आप एक प्रसिद्ध सम्मानित देश–विदेशों में प्रतिष्ठा प्राप्त करने वाले राष्ट्राध्यक्ष/राज्याध्यक्ष अथवा सर्वोच्चाधिकारी होकर पूर्ण राज–सुख प्राप्त करेंगे।

अमलयोग

चन्द्राव्द्योम्न्यमलाह्वयः शुभखगैर्योगो विलग्नादपि।
क्ष्मेशः स्यादमले धनी सुतयशः संपद्युतो नीतिमान्।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 19–20 ।।

अमलयोग
यदि पत्रिका में लग्न या चंद्रमा से दशम स्थान में शुभ ग्रह हो तो अमला योग होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप भूमि के स्वामी, धनी, नीतिवान् पुत्र एवं संपत्ति से युक्त यशस्वी व्यक्ति होंगे।

हर्ष योग

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वाक्रमाद्भावैः हर्षयोगः।
सुखभोगभाग्यदृढगात्रसंयुतो
निहताहितो भवति पापभीरुकः ।
प्रथितप्रधानजनवल्लभो धन–
द्युतिमित्रकीर्तिसुतवांश्च हर्षजः।।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/ श्लोक 57, 63 ।।

हर्ष योग
यदि जन्मपत्रिका में छठा भाव या षष्ठेश अशुभ ग्रहों से युत या निरीक्षित हो तथा षष्ठेश

दुःस्थान में निवास करता हो तो हर्षयोग होता है।

योग कारक ग्रह : मंग,राहु,शुक्र,
योग की संभावना : 6में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप भाग्यवान्, दृढ़ शरीर वाले व सुखी, भोगी, शत्रुजीत, पापकर्म में लिप्त एवं भयातुर होंगे परंतु आप प्रसिद्ध, प्रधानप्रिय, धन, पुत्र, मित्र से सुखी एवं यशस्वी होंगे।

विमलयोग

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वा क्रमाद्भावैः विमलयोगः।
किंचिद्व्ययो भूरिधनाभिवृद्धिं प्रयात्ययं सर्वजनानुकूल्यम्।
सुखी स्वतन्त्रो महनीयवृत्तिर्गुणैः प्रतीतो विमलोद्भवः स्यात्।।
।। फलदीपिका ।। अ. 6।। श्लोक 57,69 ।।

विमलयोग
जिसकी जन्मपत्रिका में द्वादशेष दुःस्थान में स्थित और अशुभ ग्रह युक्त या निरीक्षित हो तो विमल योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंग,राहु,
योग की संभावना : 8में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग अच्छी प्रकार से स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप मितव्ययी, धन संचय करने वाले, सुखी, स्वतंत्र, सद्गुणी, अच्छे कार्यकर्त्ता एवं समदर्शी व्यक्ति होंगे।

अनफा योग

अनफा रविरहितैः।
अन्त्ये कैरववनबान्धवाद्विहगैः।।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

वाग्मीप्रभुर्द्रविणवानगदः सुशीलो
भोक्तान्नपानकुसुमाम्बरकामिनीनाम्।
ख्यातः समाहितगुणः सुखशस्तचित्तो
योगे निशाकरकृते त्वनफे सुवेषः।।
।। सारावली ।। अ. 13/श्लोक 1, 5।।

अनफा योग

यदि जन्मकुंडली में चंद्रमा से द्वादश भाव में सूर्य रहित कोई ग्रह हो तो अनफा योग बनता है।

योग कारक ग्रह : बुध,चंद्र,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप कुशलवक्ता, सामर्थ्यवान्, धनवान्, नीरोग, सुन्दर शीलवान् अन्नपानपुष्पवस्त्र व स्त्री का सुख भोगने वाले, गुणी, सुखी तथा सुन्दर वेशभूषा वाले होंगे।

कर्णरोग योग

तृतीयनाथे पापान्विते पापनिरीक्षिते वा वदन्ति कर्णोद्भवरोगमत्र ।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.–49 ।।

कर्णरोग योग

यदि जन्मपत्रिका में तृतीयेश पाप युक्त या दृष्ट हो तो कर्णरोग होता है।

योग कारक ग्रह : मंग,शनि,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है फलस्वरूप आपको कर्णरोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

पुत्रनाश योग

पापमध्ये तु यद्भावे तदीशेऽपि तथा स्थिते ।
कारके पापसंयुक्ते पुत्रनाशं वदेत्तदा ।।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 5/श्लो.–14 ।।

पुत्रनाश योगयदि जन्मपत्रिका में पंचम भाव या पंचमेश पाप ग्रहों के बीच हो, तथा संतान कारक ग्रह भी पाप युक्त हो तो पुत्रनाश योग बनता है।

योग कारक ग्रह : केतु,मंग,गुरु,
योग की संभावना : 6में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको संतान सुख में बाधा हो ऐसा प्रतीत होता है।

तीव्रबुद्धि योग

कारकस्थितराश्यंशनाथे केन्द्रत्रिकोणगे ।
बुद्धीश्वरेण संदृष्टे तीव्रबुद्धिं समादिशेत् ।।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 5/श्लो.–36 ।।

तीव्रबुद्धि योग
यदि जन्मपत्रिका में पंचम भाव कारक ग्रह जिसकी राशि अंशक में हो वह केंद्र या त्रिकोण में पंचमेश से दृष्ट हो तो तीव्रबुद्धि योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंग,बुध,
योग की संभावना : 8में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप तीक्ष्ण बुद्धि वाले होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

दन्त रोग योग

वाक्स्थानपे षष्ठगते सराहौ राहुस्थितर्क्षाधिपसंयुते वा।
दन्तस्य रोगं पतनं च तेषां भुक्तौ तयोर्वा प्रवदन्ति तज्ज्ञाः।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.– 3/श्लो.–113।।

दन्त रोग योग

यदि जन्मपत्रिका में द्वितीयेश राहु के साथ षष्ठ स्थान में हो अथवा राहु जिस राशि में है उसके स्वामी से युक्त हो तो उसकी दशान्तर्दशा में दातों का रोग होता है तथा दन्तहीन हो जाता है।

योग कारक ग्रह : शनि,
योग की संभावना : 72में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके जब राहु स्थित भावस्वामी की दशान्तर्दशा आएगी तब दन्त रोग होकर आपको दन्तहीन कर देगा। ऐसा प्रतीत होता है।

तालु रोग योग

तदीश्वरेणापि युतेन्दुपुत्रे सराहुकेतावरिभायुक्ते।
राहुस्थितर्क्षाधिपसंयुते वा भुक्तौ तदा तालुभवः स रोगः।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–3/श्लो.–116।।

तालु रोग योग

यदि जन्मकुंडली में द्वितीयेश से युक्त बुध राहु या केतु सहित षष्ठस्थान में हो अथवा जिस राशि में राहु है उसके स्वामी से युक्त हो तो तालु स्थान में रोग द्वितीयेश की दशा में होती है।

योग कारक ग्रह : शनि,शनि,
योग की संभावना : 864में 1

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको उपर्युक्त ग्रहों की दशा का काल में तालु स्थान में रोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

निरोग योग

लग्नेशषष्ठाधिपती निर्व्याधिकौ जीवसमन्वितौ चेत्।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–5 / श्लो.–10 ।।

निरोग योग
यदि जन्मपत्रिका में षष्ठेश और लग्नेश गुरु से युक्त हों तो जातक निरोग होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र,
योग की संभावना : 144में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप निरोग, स्वस्थ्य और प्रसन्न रहेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

शिर मुख या गुल्म रोग योग

बलहीनेऽरिनाथे वा लग्नस्थे वा धरासुते।
मूर्धार्तिर्मुखरोगो वा गुल्मविद्रधिभाग्भवेत्।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि–अ.–5 / श्लो.–42 ।।

शिर मुख या गुल्म रोग योग
यदि जन्मकुंडली में षष्ठेश निर्बल हो या लग्नस्थ हो अथवा लग्न में मंगल हो तो शिर में पीड़ा या मुखरोग अथवा गुल्मरोग होता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,
योग की संभावना : 2में 1

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको शिर रोग, मुखरोग या गुल्म रोग से पीड़ित होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

विना पीड़ा मृत्यु योग

सौम्यांशके सौम्यगृहेऽथ सौम्य सम्बन्धगे वा क्षयेशे।
अक्लेशजातं मरणं नराणाम्।।
।। फलदीपिका–अ.14/श्लो.–21।।

विना पीड़ा मृत्यु योग
यदि जन्मकुंडली में द्वादशेश सौम्यग्रह की राशि या सौम्य ग्रह के नवांश या सौम्य ग्रह के साथ स्थित हो तो विना पीड़ा की मृत्यु होती है।

योग कारक ग्रह : मंग,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका मरण विना क्लेश का होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

पुनर्जन्म योग

महीजोमहीं सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धाद्व्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः।
।। फलदीपिका–अ.14/श्लो.–23।।

पुनर्जन्म योग
यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में मंगल हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में मंगल स्थित हो अथवा द्वादशेश मंगल से संबंध स्थापित करता हो तो जातक मरणोपरांत शीघ्र जन्म लेकर पृथ्वी पर आता है।

योग कारक ग्रह : मंग,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत पुनर्जन्म लेकर पृथ्वी पर आएँगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्या योग

कुटुम्बकलत्रनाथाभ्यां समेतैर्ग्रहनायकैर्वा कलत्रसंख्यां प्रवदन्ति सन्तः ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–14।।

बहुभार्या योग
यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश या सप्तमेश के साथ जितने ग्रह हों उतनी पत्नी होती हैं।

योग कारक ग्रह : शनि,
योग की संभावना : 12में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपकी दो या दो से अधिक पत्नी होंगी। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्यायोग

कलत्रेशे बहुगुणे तुङ्गवक्रादिहेतुभिः ।
बहुभार्यं नरं विद्यादुदयर्क्षगतेऽपि वा।।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–15 ।।

बहुभार्यायोग
यदि जन्मपत्रिका में सप्तमेश उच्च वक्र आदि बहुत गुणों से युक्त हो अथवा लग्नस्थ हो तो मनुष्य बहुत स्त्रियों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : बुध,
योग की संभावना : 12में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप कई स्त्रियों के पति होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुस्त्री योग

केन्द्रत्रिकोणे दारेशे स्वोच्चमित्रस्ववर्गगे ।
कर्माधिपेन वा युक्ते बहुस्त्रीसहितो भवेत् ।।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–30 ।।

बहुस्त्री योग
यदि जन्मकुण्डली में सप्तमेश केन्द्र या त्रिकोण में उच्च या मित्र राशि में या अपने अंशादि में हो अथवा दशमेश से युक्त हो तो बहुस्त्री योग बनता है।

योग कारक ग्रह : बुध,
योग की संभावना : 6में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपकी कई पत्नी या अनेक स्त्रियों से संबंध स्थापित होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

भगचुम्बन योग

लग्नेशे नीचराश्यादौ स्थिते तादृशचुम्बनम् ।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–91 ।।

भगचुम्बन योग
यदि जन्मकुण्डली में लग्नेश नीच राशि, शत्रु राशि, पाप से युक्त अथवा पाप दृष्ट हो तो भगचुम्बन योग बनता है।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

योग कारक ग्रह : गुरु,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप भगचुम्बन करेंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

भगचुम्बन योग

कुटुम्बनाथेन नीचराश्यादौ स्थिते भगचुम्बनभाग्भवेत् ।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो. –91 ।।

भगचुम्बन योग
यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश नीचराशि, शत्रुराशि, पापग्रह से युक्त अथवा दृष्ट हो तो भगचुम्बन योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंग,शनि,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप भगचुम्बन करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

पाप कर्त्तरी योग

''पापयोगोद्भवः कामी पापकर्मपरार्थयुक् ।।
व्ययस्वगैः पापैर्विलग्नात्पापाख्यः।''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 5 ।।

पाप कर्त्तरी योगयदि लग्न से द्वादश एवं द्वितीय भाव में पापग्रह हों तो पापकर्त्तरी योग

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,
योग की संभावना : 6में 1

पारिजात योग

''सपारिजातद्युचरः सुखानि ।''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

पारिजात योग
जिसकी पत्रिका के "पारिजात" भाग में ग्रह हों तो उसे सभी प्रकार के उत्तम सुख की प्राप्ति होती है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "पारिजात" वर्ग में स्थित है। फलस्वरूप आपको सभी प्रकार का उत्तम सुख प्राप्त होगा।

उत्तमवर्ग योग

''नीरोगतामुत्तमवर्गयातः।''
।।बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

उत्तमवर्ग योगजिस जातक की पत्रिका के "उत्तमवर्ग" भाग में ग्रह हों तो वह प्राणी सभी

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

प्रकार से निरोग रहता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,मंग,शनि,
योग की संभावना : 3में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "उत्तमवर्ग" में स्थित है। फलस्वरूप आप सभी प्रकार से निरोग रहेंगे।

गोपुरांश योग

''सगोपुरांशो यदि गोधनानि ''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

गोपुरांश योगजिस जातक की पत्रिका में "गोपुरांश" भाग में ग्रह स्थित हो, वह मनुष्य गौ और धन दोनों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : सूर्य,गुरु,
योग की संभावना : 4में 1

आपकी पत्रिका में "गोपुरांश" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप गो धन अर्थात् पशुओं और धन से पूर्ण रहेंगे।

वासि योग

''व्ययखेटैर्वाशि दिनेशात्।''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 51 ।।

वासि योग यदि जन्मपत्रिका में सूर्य से बारहवें भाव में कोई ग्रह हो तो "वासि" योग का

निरूपण होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र,केतु,सूर्य,
योग की संभावना : 3में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "वासि" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आपकी दृष्टि मन्द अर्थात् आपमें दृष्टिदोष रहेगा। आप परिश्रमी, नीचेदेखनेवाला एवं असत्यवादी होंगे।

वेशि योग

''धनखेटैर्वेशी दिनेशात्''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 51 ।।

वेशि योग यदि जातक के जन्मकाल पत्रिका में सूर्य से द्वितीय भाव में कोई ग्रह स्थित हो, तो जातक पर वेशि योग का सृजन होगा।

योग कारक ग्रह : चंद्र,सूर्य,
योग की संभावना : 3में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "वेशि" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप दयावान, स्थूल शरीर वाले, चतुरवक्ता, आलस्य से युक्त एवं वक्र दृष्टि वाले प्राणी होंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com